PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 285 ● भिलाई, सोमवार 25 मई 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

केरल में बीजेपी का वो बड़ा दांव जिसने सबको चौंकाया

तिरुवनंतपुरम। केरल विधानसभा के इतिहास में पहली बार एक बड़ा और ऐतिहासिक राजनीतिक घटनाक्रम देखने को मिल रहा है। राज्य के विधानसभा चुनावों में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन सीटें जीतने वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अब सीधे स्पीकर (अध्यक्ष) पद के चुनाव में अपना उम्मीदवार उतारने का बड़ा ऐलान कर दिया है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने गुरुवार को इसकी आधिकारिक घोषणा की है, जिसके बाद शुक्रवार को होने वाला यह अध्यक्ष पद का चुनाव अब पूरी तरह से त्रिकोणीय और बेहद दिलचस्प हो गया है। भारतीय जनता पार्टी ने अध्यक्ष पद की इस अहम रेस में कोल्लम जिले की चथनूर विधानसभा सीट से नवनिर्वाचित विधायक बी. बी. गोपकुमार को चुनावी मैदान में उतारा है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने प्रेस को संबोधित करते हुए स्पष्ट किया है कि स्पीकर पद के लिए बी. बी. गोपकुमार के नाम का प्रस्ताव वह खुद और पार्टी के दिग्गज नेता वी. मुरलीधरन विधानसभा में रखेंगे।

पठानकोट-गुरदासपुर हाईवे पर बस पलटी, 2 की मौत-5 घायल

गुरदासपुर। गुरदासपुर-पठानकोट एनएच पर आज सुबह धारीवाल के नजदीक कस्बा कलेर खुर्द के पास एक भीषण सड़क हादसा हो गया। अमृतसर से जम्मू जा रही एक तेज रफ्तार टूरिस्ट बस अचानक अनियंत्रित होकर सड़क पर ही पलट गई। बस के पलटते ही उसके पीछे चल रही 3 से 4 गाड़ियां भी एक-दूसरे से टकरा गईं। इस दुर्घटना में 2 कॉलेज छात्रों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 5 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। टूरिस्ट बस में ज्यादातर कॉलेज के छात्र सवार थे। ये सभी अमृतसर के ग्लोबल कॉलेज में पढ़ते हैं। परीक्षाओं के खत्म होने और छुट्टियां शुरू होने के बाद सभी छात्र बेहद खुश थे और बस में सवार होकर अपने घर जम्मू लौट रहे थे। किसी को अंदाजा नहीं था कि चंद किलोमीटर का यह सफर उनके जीवन का आखिरी सफर बन जाएगा। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और पुलिस प्रशासन तुरंत मौके पर पहुंचे। घायलों को आनन-फानन में एम्बुलेंस के जरिए नजदीकी सिविल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

बंगाल में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल,17 आईएएस अधिकारियों का तबादला

कोलकाता। राज्य में नए भाजपा-शासित पश्चिम बंगाल सरकार ने बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया है, इसके तहत एक साथ 17 भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारियों का तबादला किया गया है। भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा किए गए इस व्यापक बदलाव को राज्य में बड़े स्तर के नौकरशाही पुनर्गठन के रूप में देखा जा रहा है। नबन्ना स्थित राज्य सचिवालय के सूत्रों के अनुसार इन तबादलों का उद्देश्य प्रशासनिक कामकाज में तेजी लाना और जिला स्तर पर प्रशासनिक गतिविधियों को मजबूत करना है।

पाकिस्तान के क्वेटा में बड़ा बम धमाका

आत्मघाती हमलावर ने उड़ाया रेलवे ट्रैक,30 लोगों की मौत

नई दिल्ली/ एजेंसी

पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में रविवार को एक भीषण बम धमाके ने हड़कंप मचा दिया। क्वेटा में चमन फाटक रेलवे स्टेशन के पास सैन्य कर्मियों को ले जा रही ट्रेन को निशाना बनाकर किए गए इस शक्तिशाली विस्फोट में कम से कम 30 लोगों की मौत हो गई और 50 से अधिक लोग घायल हो गए। धमाके की वजह से एक ट्रेन पटरी से उतर गई. विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि इसके प्रभाव से आसपास खड़ी कम से कम 10 गाड़ियों के परखच्चे उड़ गए। पाकिस्तान के क्वेटा शहर में रेलवे ट्रैक के पास हुए ब्लास्ट में 30 लोगों की मौत हो गई, जबकि 50 लोग घायल बताए जा रहे हैं. धमाका इतना तेज था कि इलाके में अफरा-तफरी मच गई. घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है. पाकिस्तान के क्वेटा शहर में रेलवे ट्रैक के पास हुए बड़ा धमाका हुआ, जिसमें 30 लोगों की मौत हो गई, जबकि 50 लोग घायल बताए जा रहे हैं. धमाका इतना तेज था कि इलाके में अफरा-तफरी मच गई. घायलों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया है. सरकारी अस्पतालों में इमरजेंसी घोषित की गई है. धमाके की वजह से एक ट्रेन पटरी से उतर गई. रिपोर्ट्स के मुताबिक, ट्रेन क्वेटा कैंट इलाके की तरफ जा रही थी, तभी रेलवे लाइन पर विस्फोट हुआ. धमाके के बाद इलाके में गोलियों की आवाजें भी सुनाई दीं, जिससे लोगों में डर फैल गया. रेल अधिकारियों ने बताया कि क्वेटा कैंट से आने वाली शटल ट्रेन को चमन फाटक के पास निशाना बनाया गया. धमाके में इंजन समेत ट्रेन के तीन डिब्बे पटरी से उतर गए, जबकि दो डिब्बे पलट गए. पार्किंग में खड़ी 10 गाड़ियों को भी नुकसान पहुंचा. धमाके का असर इतना तेज था कि आसपास की इमारतों के शीशे और खिड़कियां टूट गईं. पूरे इलाके को घेर लिया गया है और रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है. घटना के बाद एहतियात के तौर पर पेशावर जाने वाली जाफर एक्सप्रेस को क्वेटा रेलवे स्टेशन पर रोक दिया गया. पाकिस्तान के रेल मंत्री मोहम्मद हनीफ अब्बासी ने इस हमले की कड़ी निंदा की है. उन्होंने इसे कायराना आतंकी हमला बताया और कहा कि ऐसे हमले आतंकवाद के खिलाफ पाकिस्तान के हौसले को कमजोर नहीं कर सकते. बलूचिस्तान सरकार के अधिकारी बाबर यूसुफजई ने बताया कि पुलिस, सुरक्षा बल और रेस्क्यू टीम तुरंत मौके पर पहुंच गई. पुलिस अब यह जांच कर रही है कि धमाका कैसे हुआ. गौरतलब है कि नवंबर 2024 में भी क्वेटा कैंट रेलवे स्टेशन पर एक आत्मघाती हमले में कम से कम 32 लोगों की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हुए थे। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि एहतियात के तौर पर पेशावर जाने वाली जाफर एक्सप्रेस को क्वेटा रेलवे स्टेशन पर रोक दिया गया है। रेल मंत्री हनीफ अब्बासी ने इस हमले को कायराना आतंकवादी कृत्य बताते हुए कहा कि इससे आतंकवाद के खिलाफदेश का संकल्प कमजोर नहीं होगा। पाकिस्तानी गृह मंत्री के प्रवक्ता बाबर यूसुफजई ने कहा कि विस्फोट के बाद सभी संबंधित संस्थानों को हाई अलर्ट पर रखा गया है।

नदी में सीपियां चुनते समय 7 महिलाओं समेत 8 लोगों की डूबने से मौत

कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले में रविवार को बड़ा हादसा हो गया है। वेंकटपुरा नदी में सीपियां इकट्ठा करते वक्त अचानक पानी का स्तर बढ़ जाने से आठ लोगों की पानी में डूबने से मौत हो गई। यह हादसा भटकल तालुक के शिराली, टट्टी हक्कल इलाके में हुआ है। ऐसा बताया जा रहा है कि कुल 14 लोग वेंकटपुरा नदी में सीपियां जमा करने के लिएआ गए थे। नदी तटों और तटीय क्षेत्रों में रहने वाले स्थानीय समुदायों की ये पारंपरिक गतिविधि है और उसी वक्त नदी में अचानक पानी का स्तर बढ़ से लोग पानी में बह गए। इस हादसे में 7 महिला और एक पुरुष समेत कुल आठ लोगों की मौत हो गई। वहीं एक महिला और एक पुरुष की तलाश जारी है। इस हादसे में चार लोगों को बचाया गया है और उनका इलाज स्थानीय अस्पताल में चल रहा है। वहीं हादसे की जानकारी मिलते ही भटकल ग्रामीण पुलिस मौके पर पहुंची है। हादसे में मृतकों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भटकल तालुक अस्पताल भेजा गया है। साथ ही लापता लोगों की तलाश तेज कर दी गई है। इस घटना के संबंध में भटकल ग्रामीण पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने इस हादसे पर गहरा दुख जताया है। सीएम ने इस दुर्घटना में मारे गए लोगों के परिवार वालों को 5-5 लाख रुपये का मुआवजा देने का एलान किया है। हरूसिद्धारमैया ने X पर पोस्ट कर लिखा कि 'उत्तर कन्नड़ जिले के भटकल के पास तत्वेहकालु बीच पर सीपियां इकट्ठा करने गए एक ही परिवार के 8 लोग पानी में डूब गए और उनकी जान चली गई। मैं प्रार्थना करता हूं कि दिवंगत आत्माओं को शांति मिले।' सीएम सिद्धारमैया ने आगे कहा कि मानवीय आधार पर कर्नाटक सरकार इस आपदा में जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों को 5-5 लाख रुपये का मुआवजा देगी। उन्होंने आगे बताया कि लापता लोगों की तलाशी के लिए अभियान चलाया जा रहा है।

मिली बड़ी जिम्मेदारी

बीजेपी में शामिल होते ही सांसद चड्ढा का बढ़ा कद

नई दिल्ली/ एजेंसी

आम आदमी पार्टी छोड़कर अपने साथियों के साथ बीजेपी में शामिल होने वाले राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा को पार्टी ने बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है. बीजेपी ने चड्ढा को राज्यसभा की याचिका समिति का नया अध्यक्ष नियुक्त किया है. यह नियुक्ति 20 मई 2026 से प्रभावी है और राज्यसभा के सभापति द्वारा समिति के पुनर्गठन के तहत की गई है. राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने इस समिति का पुनर्गठन करते हुए इसमें दस सदस्यों को नामांकित किया है. बताया जा रहा है कि राघव चड्ढा की यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है. समिति में राघव चड्ढा के अलावा हर्ष महाजन, गुलाम अली, शंभू शरण पटेल, मयंक कुमार नायक, मस्तान राव यादव बीधा, जेबी माथर हिशाम, सुभाषिश खूंटिया, वी नरजरी और संतोष कुमार पी को सदस्य बनाया गया है. लोकसभा की एक भिन्न अधिसूचना में, अध्यक्ष ने अरविंद गणपत सावंत को कॉरपोरेट कानून (संशोधन) विधेयक पर संयुक्त समिति में नामित किया है और यह निर्णय 21 मई से प्रभावी है. याचिका समिति संसद की एक महत्वपूर्ण समिति होती है, जो आम नागरिकों द्वारा भेजी गई याचिकाओं की जांच करती है. यह समिति कानूनों, नीतियों और प्रशासनिक फैसलों से जुड़ी शिकायतों पर विचार करती है और सरकार को सुझाव देती है. इसके माध्यम से जनता सीधे अपनी समस्याएं संसद तक पहुंचा सकती है, जिससे यह लोकतांत्रिक व्यवस्था में एक अहम कड़ी बनती है.

बीजेपी को भी पछाड़ने वाली 'कॉकरोच जनता पार्टी' पर चला सरकार का डंडा

नई दिल्ली । सोशल मीडिया पर अपनी तीखी और व्यंग्यात्मक पोस्ट्स से तहलका मचाने वाले संगठन 'कॉकरोच जनता पार्टी' को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है। चंद दिनों में ही देश भर में जबरदस्त लोकप्रियता हासिल करने वाले इस सैटायरिकल व्यंग्यात्मक राजनीतिक संगठन के आधिकारिक एक्स पहले ट्विटर अकाउंट को भारत में पूरी तरह से ब्लॉक यानी प्रतिबंधित कर दिया गया है। इस औचक कार्रवाई के बाद सोशल मीडिया यूजर्स और राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया है।

13 दिन बाद हुई अंतिम विदाई

भाई ने दी ट्विशा के शव को मुखाग्नि.....

भोपाल। भोपाल के चर्चित ट्विशा शर्मा मामले में उस समय बेहद भावुक माहौल देखने को मिला, जब दूसरे पोस्टमार्टम के बाद ट्विशा के पार्थिव शरीर को अंतिम विदाई के लिए ले जाया गया। भदभदा विश्राम घाट पर परिवार भारी मन से अंतिम संस्कार की रस्में निभाता दिखा। इस दौरान माहौल पूरी तरह गमगीन रहा और हर आंख नम दिखाई दी, क्योंकि एक परिवार अपनी बेटी और जिंदगी के बेहद अनमोल हिस्से को हमेशा के लिए विदा कर रहा था। बता दें कि,

आज ट्विशा की मृत्यु के 13 दिन बाद अंतिम संस्कार हुआ। ट्विशा शर्मा का अंतिम संस्कार भोपाल के भदभदा विश्राम घाट पर हुआ। दूसरे पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद परिजन सीधे घाट पहुंचे।

ममता के गढ़ फिर खिला कमल

देबांग्शु पांडा ने करीब 1 लाख वोटों से जीता चुनाव

नई दिल्ली/ एजेंसी

पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले की फल्टा विधानसभा सीट पर बीजेपी उम्मीदवार देबांग्शु पांडा ने जीत हासिल कर ली है। यह वो सीट है जहां पहले टीएमसी का कब्जा था। लेकिन इस बार चुनाव में इतनी गड़बड़ी हुई कि पूरा मतदान रद्द करना पड़ा और दोबारा वोटिंग करानी पड़ी। दोबारा हुई वोटिंग की मतगणना में बीजेपी ने करीब 1 लाख वोटों के बड़े अंतर से जीत दर्ज की है। यह नतीजा पश्चिम बंगाल की राजनीति में टीएमसी के लिए एक और बड़ा

झटका माना जा रहा है। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने तृणमूल कांग्रेस पर निशाना साधा और फल्टा पुनर्मतदान में भाजपा की जीत पर जनता को बधाई दी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट में उन्होंने लिखा कि बदनाम 'डायमंड हार्बर' मॉडल अब 'तृणमूल के नुकसान' का मॉडल बन गया है। मुख्यमंत्री सुवेंदु ने आगे कहा कि सबसे पहले मैं फल्टा के लोगों, उस दिव्य जनता के सामने नतमस्तक होकर उन्हें प्रणाम करता हूं, जिन्होंने फल्टा पुनर्मतदान में भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार श्री देबांग्शु पांड्या को विधानसभा भेजने के लिए जोरदार जनादेश दिया। मैं फल्टा के मतदाताओं का विशेष रूप से आभारी हूं। मैंने उनसे अपील की थी कि वे भाजपा उम्मीदवार की जीत एक लाख वोटों के अंतर से सुनिश्चित करें।

बंगाल में ईडी की बड़ी कार्रवाई, पूर्व डीसीपी के घर का ताला तोड़कर अंदर घुसे अधिकारी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में कथित रंगदारी रैकेट की जांच के सिलसिले में प्रवर्तन निदेशालय ने सुबह बड़े पैमाने पर छापेमारी की। मुर्शिदाबाद जिले के कांडी शहर में कोलकाता पुलिस के पूर्व डिप्टी कमिश्नर और कालीघाट थाने के पूर्व इंस्पेक्टर-इन-चार्ज शांतनु सिन्हा विश्वास के पैतृक आवास पर ईडी की टीम ने ताला तोड़कर तलाशी अभियान चलाया। यह आलीशान मकान कांडी नगर पालिका के वार्ड नंबर-8 में स्थित है और पिछले एक सप्ताह से बंद पड़ा था। शांतनु सिन्हा विश्वास फिलहाल जमीन से जुड़े कथित वित्तीय धोखाधड़ी मामले में ईडी की हिरासत में हैं। जानकारी के मुताबिक, छापेमारी के समय घर में कोई मौजूद नहीं था।

राहुल गांधी का दावा मोदी सरकार गिर जाएगी

सरकार के गिरने की टाइम लाइन भी निर्धारित की......

नई दिल्ली/ एजेंसी

अगले एक साल में मोदी सरकार गिर जाएगी। ये दावा लोकसभा नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के वरिष्ठ दूरदर्शी सांसद राहुल गांधी ने किया है। कांग्रेस की अल्पसंख्यक सलाहकार समिति की बैठक में राहुल गांधी ने बड़ा दावा करते हुए कहा कि अगले एक साल में पीएम मोदी की विदाई तय है। सरकार के खिलाफ बढ़ता आर्थिक असंतोष इसका कारण बनेगा। कांग्रेस सांसद ने कहा कि अगले एक साल के भीतर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की

विदाई तय है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आर्थिक हालात और देश में बढ़ता आर्थिक असंतोष इसके बड़े कारण बनेंगे। जिस तरह परिस्थितियां बन रही हैं और लोगों में नाराजगी बढ़ रही है, उसका असर भारत की राजनीति पर दिखाई देगा। बैठक के दौरान कुछ नेताओं ने मुस्लिम शब्द की जगह 'अल्पसंख्यक' शब्द इस्तेमाल करने की अपील की। इस पर राहुल गांधी ने असहमति जताते हुए कहा कि डरने की जरूरत नहीं है। जिस वर्ग के साथ अन्याय हो, उसके साथ खुलकर खड़ा होना चाहिए। उन्होंने कहा कि चाहे वह हिंदू हो, दलित हो, सवर्ण हो, मुस्लिम हो, सिख हो, ईसाई हो या बौद्ध-जैन, कांग्रेस को सभी के अधिकारों की आवाज उठानी चाहिए। बैठक में कुछ नेताओं ने राहुल गांधी से शिकायत करते हुए कहा कि वह तो अल्पसंख्यकों के मुद्दे खुलकर उठाते हैं।

लाल किला मैदान से गूंजा जनजातीय गौरव का स्वर

जनजातीय समाज दुनिया को सिखा सकता है प्रकृति संग विकास

- भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती वर्ष पर राष्ट्रीय समागम में देशभर से जुटे हजारों जनजातीय प्रतिनिधि
- जनजातीय समाज भारत की सांस्कृतिक आत्मा का सबसे प्राचीन और जीवंत स्वरूप

रायपुर। देश की राजधानी दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किला मैदान में रविवार को जनजातीय अस्मिता, सांस्कृतिक गौरव और सामाजिक चेतना का विराट संगम देखने को मिला, जब भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती वर्ष के अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय जनजाति सांस्कृतिक समागम में देशभर से हजारों जनजातीय प्रतिनिधि, युवा, सामाजिक कार्यकर्ता तथा पारंपरिक समुदायों के लोग एक मंच पर एकत्र हुए। जनजाति सुरक्षा मंच एवं जनजाति जागृति समिति द्वारा आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष महत्व प्रदान किया। मुख्यमंत्री श्री साय के साथ छत्तीसगढ़ सरकार के मंत्री श्री केदार कश्यप एवं श्री रामविचार नेताम भी उपस्थित थे। कार्यक्रम स्थल पर दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय से सौजन्य भेंट की। लाल किले की ऐतिहासिक

पृष्ठभूमि, पारंपरिक वेशभूषा, लोक वाद्ययंत्रों और जनजातीय संस्कृति के विविध रंगों से सजा यह आयोजन केवल सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि भारत की मूल सांस्कृतिक चेतना और जनजातीय पहचान के संरक्षण का राष्ट्रीय संदेश बनकर उभरा। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कार्यक्रम में देशभर से आए जनजातीय समाज के प्रतिनिधियों और लोगों से आत्मीय मुलाकात की तथा अपने संबोधन में कहा कि जनजातीय समाज केवल प्रकृति का रक्षक नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक आत्मा का सबसे प्राचीन और जीवंत स्वरूप है। उन्होंने कहा कि सदियों से जल, जंगल और जमीन की रक्षा करते हुए जनजातीय समाज ने प्रकृति और मानव जीवन के बीच संतुलन बनाए रखने का कार्य किया है। आज जब पूरी दुनिया पर्यावरण संकट और असंतुलित विकास की चुनौतियों से जूझ रही है, तब जनजातीय जीवन दर्शन मानवता को टिकाऊ और प्रकृति-सम्मत विकास का रास्ता दिखा सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनजातीय समाज सदियों से प्रकृति के साथ सहअस्तित्व और संतुलन का जीवन जीता आया है तथा उनकी संस्कृति और परंपराएं भारत की अमूल्य धरोहर हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान उसकी समृद्ध जनजातीय संस्कृति से गहराई से जुड़ी हुई है। छत्तीसगढ़ में लगभग 44 प्रतिशत भू-भाग वनाच्छादित है, जो केवल प्राकृतिक संपदा का प्रतीक नहीं, बल्कि जनजातीय जीवन, संस्कृति और परंपरा का जीवंत आधार भी है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर राष्ट्र निर्माण तक जनजातीय समाज का योगदान अतुलनीय रहा है। भगवान बिरसा मुंडा तथा छत्तीसगढ़ के अमर शहीद वीर नारायण सिंह जैसे महानायकों ने अपनी संस्कृति, स्वाभिमान और अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष, साहस और बलिदान का अद्वितीय इतिहास रचा है, जो नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि उनकी सरकार जनजातीय संस्कृति, परंपराओं और जीवन मूल्यों के संरक्षण तथा संवर्धन के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि 'आदि परब', बस्तर पंडुम और बस्तर ओलंपिक जैसे आयोजन केवल सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनजातीय प्रतिभा, परंपरा, खेलकौशल और पहचान को राष्ट्रीय मंच देने का सशक्त प्रयास हैं।

वन चेतना केंद्र मांगता में विविध कार्यक्रम आयोजित, लोगों ने बढ़-चढ़र लिया हिस्सा

अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर हुआ आयोजन, छात्रों और ग्रामीणों की रही सहभागिता

राजनांदगांव। वन मंडल राजनांदगांव अंतर्गत वन चेतना केंद्र मनगटा में अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आसपास के ग्रामीणों एवं स्कूली बच्चों की उत्साहपूर्ण सहभागिता रही। जैव विविधता संरक्षण एवं पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत स्कूली बच्चों के लिए क्विज प्रतियोगिता एवं चित्रलेखा (पोस्टर) प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और जैव विविधता संरक्षण से जुड़े विषयों पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जनपद सदस्य सोनू धनकर उपस्थित रहे। साथ ही मुढ़ीपार ग्राम पंचायत के सरपंच एवं अन्य अतिथिगण भी कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। अतिथियों ने अपने उद्बोधन में जैव विविधता संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए प्रकृति एवं वन्यजीवों के संरक्षण हेतु सभी को जागरूक रहने का संदेश दिया। यह कार्यक्रम वन मंडलाधिकारी राजनांदगांव एवं उपवन मण्डलाधिकारी के मार्गदर्शन एवं पर्यावरण प्रेमी प्रतीक ठाकुर के सहयोग से आयोजित किया गया। कार्यक्रम के सफल संचालन में सहायक वन संरक्षक लवकेश कुमार गिलहरे, आकाश ठाकुर, परिक्षेत्र अधिकारी प्रतीक टंडन तथा वन विभाग के अन्य कर्मचारियों का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम के समापन अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के उपलक्ष्य में जैव विविधता संरक्षण की शपथ ली। साथ ही परिसर में वृक्षारोपण कर प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया गया। इस अवसर पर ग्रामीणों एवं बच्चों को पर्यावरण संरक्षण, वन संपदा के महत्व तथा जैव विविधता के संवर्धन हेतु प्रेरित किया गया।

राज्यस्तरीय सीनियर किकबॉक्सिंग प्रतियोगिता में बेमेतरा 3 खिलाड़ीयों में 5पदक जीते

बेमेतरा। कोरबा में आयोजित 13वीं छत्तीसगढ़ राज्यस्तरीय सीनियर (पुरुष एवं महिला) किकबॉक्सिंग प्रतियोगिता 2026 में द वारक्राई मार्शल आर्ट्स एंड सेल्फ डिफेंस एकेडमी, बेमेतरा के 3 खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कुल 5 पदक अपने नाम किए। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने रजत पदक एवं 2 कांस्य पदक जीतकर अकादमी एवं बेमेतरा जिले का गौरव बढ़ाया। खिलाड़ियों ने कठिन मुकाबलों में अनुशासन, आत्मविश्वास एवं उत्कृष्ट तकनीक का परिचय देते हुए शानदार प्रदर्शन किया। इस उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में खुशी एवं गर्व का माहौल है अकादमी के डायरेक्टर एवं हेड कोच सेंसई भानु प्रताप साहू ने सभी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि

खिलाड़ियों की निरंतर मेहनत, नियमित अभ्यास एवं अभिभावकों के सहयोग से यह सफलता संभव हो सकी है। उन्होंने भविष्य में भी खिलाड़ियों से और बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद जताई।इस अवसर पर विवेक पोल, दीपक मेघवानी, भाग्यश्री पोल, डॉ. रमेश धनगर, शिल्पा राठी, धर्मेंद्र ढींगरा, नम्रता साहू सहित सभी अभिभावकों, सहयोगियों एवं खेल प्रेमियों ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं एवं बधाई दी। पदक विजेता खिलाड़ियों में हरिराम - 1 रजत एवं 1 कांस्य पदक, ममता दहिया - 1 रजत एवं 1 कांस्य पदक केतन दहिया - 1 रजत पदक हासिल किया ।

घर की बाड़ी में गांजा की खेती, आधा दर्जन पौधे जब्त, आरोपी भी गिरफ्तार

ग्राम मोहभट्ठा में लालबाग थाना पुलिस टीम ने सूचना आधार पर की कार्रवाई

राजनांदगांव। नशे के अवैध कारोबार पर कार्रवाई के बीच लालबाग थाना क्षेत्र में गांजा खेती करने का मामला सामने आया है। इसमें एक आरोपी को भी पुलिस टीम ने गिरफ्तार किया है। मौके से पुलिस ने गांजा के छह पौधों को बरामद किया है, जिसकी कीमत तकरीबन 12 हजार रुपए आंकी गई है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है। वहीं आरोपी को न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम मोहभटठा (चमारराय टोलागांव) निवासी तुलेश्वर साहू अपने घर की बाड़ी में अवैध रूप से गांजा के पौधों की खेती कर रहा है। सूचना पर तत्काल पुलिस टीम द्वारा मौके पर दबिश दी। कार्रवाई के दौरान आरोपी तुलेश्वर पिता सुंदर लाल साहू के कब्जे के घर बाड़ी से 06 गांजा के पौधे जड़ सहित बरामद किए गए। जब्त गांजा पौधों की अनुमानित कीमत लगभग 12 हजार रुपए है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध लगातार

प्रभावी कार्यवाही की जा रही है तथा आमजन से भी अपील की गई है कि नशे एवं अवैध गतिविधियों की सूचना पुलिस को दें।

जिले में नशे के अवैध कारोबार को लेकर लगातार कार्रवाई की जा रही है। सभी थानों में इसके लिए टीम बना दी गई है, जो शराब, गांजा व अन्य सूखे नशे के खिलाफकार्रवाई कर रही है। हाल ही में बागनदी थाना क्षेत्र में कार्रवाई की गई, जिसमें आरोपियों के पास से मप्र की शराब जब्त की गई थी। इसमें पुलिस ने तीन लाख रुपए की शराब जब्त की थी। इसी क्रम में सिटी कोतवाली , लालबाग, बसंतपुर, डोंगरगांव और डोंगरगढ़ एरिया में भी शराब कोचियों पर सख्ती बरती जा रही है।

महापौर ने ली मीटिंग : निर्माण कार्यों को समय पर पूरा करने और बारिश पूर्व डामरीकरण करने के निर्देश

तकनीकी अधिकारियों से वार्डवार जानकारी महापौर ने ली, काम पर फोकस करने कहा

राजनांदगांव। नगर निगम क्षेत्र में चल रहे निर्माण कार्यों को लेकर महापौर मधुसूदन यादव ने तकनीकी अधिकारियों की मीटिंग ली। उन्होंने स्वीकृत कार्य तत्काल प्रारंभ कराने योजना के कार्य को प्राथमिकता देकर समय सीमा में चालू कराने एवं चालू कार्य में तेजी लाकर गुणवत्ता के साथ शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में महापौर यादव ने उप अभियंताओं से शहर में चल रहे निर्माण कार्यों की वार्डवार जानकारी लेकर अप्रारंभ कार्य शीघ्र प्रारंभ कराने तथा चल रहे निर्माण कार्य में तेजी लाकर कार्य समय सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराने के निर्देश दिये। उन्होंने सांसद, विधायक निधि एवं महापौर व पार्षद निधि के कार्य की जानकारी लेकर स्वीकृत कार्य तत्काल प्रारंभ कराने कहा। महापौर ने अधोसंरचना मद एवं अधोसंरचना पर्यावरण मद अंतर्गत स्वीकृत कार्यों को शीघ्र प्रारंभ कराने कहा, जिस कार्य का कार्यादेश जारी नहीं हुआ है, उसका कार्यादेश तत्काल जारी कर कार्य प्रारंभ करावे। सभी अभियंतागण अपने अपने प्रभारित वार्ड के कार्यों की सत्त मानिटरिंग करे तथा कार्य की प्रगति, उपयोगिता प्रमाण पत्र बनाकर शासन को भेजे, उन्होंने डामरीकरण के कार्य की जानकारी लेकर शेष कार्य गुणवत्ता के साथ बारिश के पूर्व पूर्ण कराने कहा।

डामरीकरण कार्य वाले ठेकेदारों को नोटिस

निगम आयुक्त अतुल विश्वकर्मा ने जानकारी दी कि डामरीकरण कार्य के लिए संबंधित ठेकेदारों को नोटिस जारी किया गया है। उन्होंने अधिकारियो से कहा कि जिन ठेकेदारों के द्वारा काम चालू नहीं किया जा रहा है या जिन्होंने चलित काम बंद कर दिया है, उन्हें नोटिस जारी करें।जहां पर स्थल विवाद है उसके लिए संबंधित पार्षद से सम्पर्क कर निराकरण करावे। जिन कार्यों की विभागीय प्रक्रिया लंबित है उसे जल्द पूर्ण कर काम चालू करावे। सभी कार्यों की सत्त मानिटरिंग कर प्रगति से अवगत करावे। महापौर यादव ने नालंदा परिसर के कार्य की भी जानकारी लेकर कार्य में तेजी लाने कहा, जिससे समय सीमा में कार्य पूर्ण हो और विद्यार्थियों को इसका लाभ मिले। आंगनबाडी निर्माण व मारम्मत कार्य जून माह तक पूर्ण करावे, नये आंगनबाडी के लिए स्टीमेंट में जमीन का दस्तावेज लगाना है, ताकि स्वीकृति में परेशानी न हो। उन्होंने सामुदायिक भवन तथा नाला निर्माण कार्य की प्रगति की जानकारी लेकर कहा कि नाला निर्माण कार्य में तेजी लावे, जो कार्य बंद है उसको चालू करावे। नाला नाली निर्माण के कार्य बारिश के पूर्व पूर्ण कराएं।

छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना एवं जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के संयुक्त बैठक में संगठन विस्तार, छत्तीसगढ़िया अस्मिता और जन अधिकार के मुद्दा पर हुए अहम चर्चा

बेमेतरा। छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना एवं जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी बेमेतरा की संयुक्त बैठक ग्राम रजकुड़ी, जिला बेमेतरा में उत्साह एवं जोशपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुई। बैठक में क्षेत्र के बड़ी संख्या में युवा, किसान, सामाजिक कार्यकर्ता एवं जागरूक नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान छत्तीसगढ़ियावाद, जल-जंगल-जमीन की सुरक्षा, सामाजिक अधिकार, स्थानीय युवाओं के भविष्य एवं संगठन विस्तार को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक के दौरान चलाए जा रहे जबर सदस्यता अभियान के अंतर्गत 50 नए सदस्यों ने छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना एवं जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर छत्तीसगढ़ महतारी की सेवा एवं छत्तीसगढ़िया अस्मिता की रक्षा के लिए संघर्ष करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना के जिलाध्यक्ष निलेश कुमार साहू, खड़ अध्यक्ष लुकेश्वर साहू, जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के शहर अध्यक्ष फौजी सूर्या सिंह चौहान एवं उपाध्यक्ष खेमू साहू की

विशेष उपस्थिति रही। अपने ओजस्वी संबोधन में जिलाध्यक्ष निलेश कुमार साहू ने कहा कि आज छत्तीसगढ़ के जल, जंगल, जमीन एवं प्राकृतिक संसाधनों पर लगातार बाहरी शक्तियों की नजर बनी हुई है।

यदि छत्तीसगढ़िया समाज समय रहते संगठित एवं जागरूक नहीं हुआ, तो आने वाली पीढ़ियों को अपनी ही माटी में संघर्ष करना पड़ेगा। उन्होंने युवाओं से अपील करते हुए कहा कि अब समय केवल तमाशा देखने का नहीं, बल्कि अपने अधिकार एवं अस्तित्व की रक्षा के लिए एकजुट होने का है। वहीं जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के शहर अध्यक्ष फौजी सूर्या सिंह चौहान ने वर्तमान सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार प्रदेश के युवाओं, किसानों एवं आम नागरिकों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने में विफल साबित हो रही है। बेरोजगारी, पलायन, किसानों की समस्याएं एवं स्थानीय मुद्दों की लगातार अनदेखी की जा रही है, जिससे जनता में भारी असंतोष व्याप्त है। उपाध्यक्ष खेमू साहू ने कहा कि छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना एवं जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी का सदस्यता अभियान लगातार गांव-गांव तक पहुंच रहा है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में जागरूक छत्तीसगढ़िया युवा एवं नागरिक संगठन से जुड़ रहे हैं, जो आने वाले समय में छत्तीसगढ़ियावाद की लड़ाई को और मजबूत करेंगे। खड़ अध्यक्ष लुकेश्वर साहू ने भी संगठन की मजबूती एवं गांव स्तर पर जनजागरण अभियान को तेज करने की बात कही। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़िया समाज को अपनी भाषा, संस्कृति एवं अधिकारों की रक्षा के लिए अब संगठित होकर आगे आना होगा। बैठक के अंत में संगठन विस्तार, आगामी जनजागरण अभियान एवं सदस्यता अभियान को और तेज गति से चलाने को लेकर रणनीति तैयार की गई। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने छत्तीसगढ़ महतारी के जयघोष के साथ छत्तीसगढ़िया एकता को मजबूत करने का संकल्प लिया। यह जानकारी खेमू साहू शहर उपाध्यक्ष जेसीपी बेमेतरा ने दिया है।

जरूरतमंद विद्यार्थियों के सपनों को मिली नई उड़ान, शिक्षा सहायता देकर यूथ सिख सेवा समिति ने पेश की मिसाल

भिलाई । शिक्षा के क्षेत्र में समाज सेवा की मिसाल कायम करते हुए यूथ सिख सेवा समिति, भिलाई एवं सर्व समाज कल्याण समिति, भिलाई द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद विद्यार्थियों को शिक्षा सहायता प्रदान की गई। समिति अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह छोटू के निर्देशन में प्राप्त विभिन्न आवेदनों का सत्यापन करने के बाद जरूरतमंद परिवारों तक आर्थिक सहयोग पहुंचाया गया। समिति द्वारा आयोजित सहायता वितरण कार्यक्रम में कई ऐसे परिवारों को राहत मिली, जिनके लिए आर्थिक कठिनाइयों के कारण बच्चों की पढ़ाई जारी रखना चुनौती बन चुकी थी। संस्था की इस पहल की सामाजिक स्तर पर सराहना की जा रही है।

89% अंक लाने वाली मेधावी छात्रा को 20 हजार की सहायता- कार्यक्रम के दौरान एक संघर्षशील एवं प्रतिभाशाली छात्रा को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। पिता के साये से वंचित इस छात्रा ने विपरीत

परिस्थितियों के बावजूद 12वीं कक्षा में 89 प्रतिशत अंक प्राप्त कर परिवार और समाज का गौरव बढ़ाया है। छात्रा भविष्य में डॉक्टर बनकर समाज सेवा करना चाहती है तथा NEET-2027 की तैयारी करने का लक्ष्य रखती है। छात्रा की प्रतिभा, मेहनत और संघर्ष को सम्मान देते हुए समिति द्वारा 20,000 की शिक्षा सहायता राशि प्रदान की गई।

तीन बेटियों की पढ़ाई नहीं रुके, समिति ने बढ़ाया सहयोग का हाथ-इसी क्रम में एक ही परिवार की तीन बेटियों की शिक्षा निरंतर जारी रखने हेतु 10,000 की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। समिति ने स्पष्ट किया कि आर्थिक अभाव किसी भी बच्ची की शिक्षा में बाधा नहीं बनना चाहिए और समाज को बेटियों की शिक्षा के प्रति संवेदनशील होना आवश्यक है। अन्य विद्यार्थियों को भी मिली आर्थिक सहायता-सत्यापन प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद समिति द्वारा अन्य जरूरतमंद विद्यार्थियों को भी शिक्षा सहयोग प्रदान किया गया। एक बच्चे के एडमिशन हेतु 5,610, एक छात्रा की पढ़ाई के लिए 4,500 तथा एक अन्य छात्रा की शिक्षा सहायता हेतु 4,820 की राशि प्रदान की गई।

इंद्रजीत सिंह छोटू का वक्तव्य- समिति अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह छोटू ने कहा कि शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त करने का माध्यम नहीं बल्कि समाज परिवर्तन की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा-हमारी कोशिश सिर्फ आर्थिक सहायता देना नहीं, बल्कि उन बच्चों के सपनों को मजबूत करना है जो प्रतिभाशाली होने के बावजूद संसाधनों की कमी से संघर्ष कर रहे हैं। समाज का हर सक्षम व्यक्ति यदि शिक्षा के लिए एक कदम आगे बढ़ाए, तो कोई भी बच्चा आर्थिक अभाव के कारण पढ़ाई से वंचित नहीं रहेगा। उन्होंने आगे कहा कि समिति भविष्य में भी जरूरतमंद एवं मेधावी विद्यार्थियों के लिए इसी तरह सहयोग अभियान जारी रखेगी।

बेमेतरा में छत्तीसगढ़ी काव्य गोष्ठी का हुआ आयोजन

बेमेतरा। प्राँतीय छत्तीसगढ़ी साहित्य समिति जिला इकाई बेमेतरा बाजार पारा कैइहा तरिया पार कालिका मँदिर के समीप काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी के मुख्य अतिथि वरिष्ठ कवि व समाजसेवी भुवन दास जाँगड़े गुरु घासीदास चेतना अवार्ड से सम्मानित, अध्यक्षता वरिष्ठ हास्य व्यंग्य कवि रामानंद त्रिपाठी छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग जिला समन्वयक बेमेतरा रहे, विशिष्ट अतिथि राज्यपाल पुरस्कार प्राप्त सेवा निवृत्त प्रधान पाठक दुर्गा शंकर चतुर्वेदी बेमेतरा रहे। कार्यक्रम की शुरुवात अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती की पूजा अर्चना कर प्रारंभ हुई। सर्वप्रथम कवि मनोज कुमार पाटिल द्वारा अपनी स्वरचित सरस्वती वँदना सस्वर गायन कर गोष्ठी का शुभारम्भ हुआ, क्रमशः उपस्थित कवियों ने अपनी रचनाओं का रसास्वादन कराया,, जिसमें कीर्ति बँजारे ने राजभाषा पर आधारित गीत :- राजभाषा बनगे बोली छत्तीसगढ़ी। इही म होही अब तो सरकारी लिखापढ़ी।। सुनाकर तालियां बटोरी, मोहरेंगा से आये नवोदित युवा कवि सँतोष साहू ने नशामुक्ति पर आधारित कविता सुनाये, तेंदूभाँठा साजा से आये युवा कवि आत्मा राम पटेल ने मैंहा छत्तीसगढ़ के माटी के बेटा आँव रे भाई । देवकी यशोदा कस महतारी राम किसन सहीं भाई। सुनाये । तो वहीं गोकुल बँजारे चँदन ने मोर छत्तीसगढ़िया हीरा तैं सच्चा सपूत बन जाबे। देश के खातिर बलि- बलि जाबे

झन कपूत बन जाबे। सुना कर श्रोताओं को भावविभोर किया। हास्य कवि रामानंद त्रिपाठी ने अनेक हास्य की फुलझड़ियों से उपस्थित जनों को खूब हँसने मजबूर कर दिया, कवित्री सुश्री उमा जाटव ने माता पिता का असीम प्यार मिलना सौभाग्य वालों को प्राप्त होता है पर आधरित कविताएं सुनाई, वहीं भुवन दास जाँगड़े ने कविता के माध्यम से देश हित पर कार्य करने प्रेरित किया, युवा कवि मनोज मिर्झा ने समसामयिक विषयों पर रचना सुनाया, इसी कड़ी में रेणुका कारुणिक ने मँहगाई पर आधारित रचनायें पढ़ी, तथा तरुण यादव ने व्यँगात्मक रचनायें पेश किया। इस अवसर पर भुवन दास जाँगड़े समाज सेवी व कवि सिरवाबाँधा को वर्ष 2025 में गुरु घासीदास चेतना अवार्ड से छत्तीसगढ़ शासन द्वारा सम्मानित होने पर इस गोष्ठी में बेमेतरा जिला के कवियों ने भी उन्हें शाल श्रीफल व बुके भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का सँचालन प्राँतीय छत्तीसगढ़ी साहित्य समिति जिला इकाई बेमेतरा अध्यक्ष डॉ. गोकुल बँजारे चँदन ने किया।

बेमेतरा पुलिस को मिली हाईटेक फॉरेंसिक मोबाइल वैन, डीआईजी साहू ने हरी झंडी दिखाकर किया शुभारंभ

बेमेतरा। केंद्र एवं राज्य सरकार की आधुनिक पुलिसिंग की पहल के तहत छत्तीसगढ़ प्रदेश के सभी जिलों को अत्याधुनिक मोबाइल फॉरेंसिक वैन उपलब्ध कराई गई है। इसी क्रम में बेमेतरा जिले को भी करीब 65 लाख रुपये की लागत से तैयार आधुनिक सुविधाओं से लैस मोबाइल फॉरेंसिक वैन प्रदान की गई है। यह वैन अपराध स्थल पर वैज्ञानिक साक्ष्य संग्रहण और प्रारंभिक जांच को तेज एवं सटीक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। बेमेतरा जिले मेंअपराध अनुसंधान को और अधिक वैज्ञानिक एवं प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। पुलिस उप महानिरीक्षक (छद्दल) रामकृष्ण साहू (द्धक) ने आज शनिवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय परिसर में अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित हाईटेक फॉरेंसिक मोबाइल वैन को पूजा-

अर्चना के बाद हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। कार्यक्रम मेंअतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश कुमार यादव, वैज्ञानिक अधिकारी श्रीमती आकांक्षा सिंह, विशेष लोक अभियोजक अधिकारी अनिमेष मिश्रा, जिला लोक अभियोजक अधिकारी शिव गोपाल श्रीवास, जिला अभियोजन अधिकारी श्रीमती कविता राव, सहायक अभियोजन अधिकारी विनय अग्रवाल, श्रीमती मनीषा सिंह, सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। डीआईजी रामकृष्ण साहू ने कहा किजिले में हाईटेक फॉरेंसिक मोबाइल वैन की उपलब्धता से अपराध विवेचना में निश्चित रूप से मजबूती मिलेगी। उन्होंने बताया कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत सात वर्ष या उससे अधिक सजा वाले गंभीर अपराधों में घटनास्थल पर फॉरेंसिक विशेषज्ञ की उपस्थिति और वैज्ञानिक साक्ष्य संग्रहण अनिवार्य किया गया है। इससे जांच अधिक पारदर्शी, निष्पक्ष और न्यायालय में प्रभावी होगी। उन्होंने कहा किअब साक्ष्य संग्रहण की प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी की जाएगी, जिससे जांच की विश्वसनीयता और बढ़ेगी। फॉरेंसिक विश्लेषण के माध्यम से अपराधियों की शीघ्र पहचान और गिरफ्तारी में मदद मिलेगी तथा संगठित अपराधों पर प्रभावी कार्रवाई संभव हो सकेगी। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश कुमार यादव ने बताया किपहले फॉरेंसिक जांच के लिए साक्ष्यों को अन्य जिलों की प्रयोगशालाओं में भेजना पड़ता था, जिससे रिपोर्ट आने में विलंब होता था। अब प्रत्येक जिले में सीन ऑफ क्राइम यूनिट और हाईटेक फॉरेंसिक मोबाइल वैन उपलब्ध होने से जांच प्रक्रिया तेज होगी तथा दोषसिद्धि दर बढ़ाने में सहायता मिलेगी। वैज्ञानिक अधिकारी आकांक्षा सिंह नेमोबाइल फॉरेंसिक वैन में उपलब्ध आधुनिक उपकरणों और किट्स की जानकारी देते हुए बताया कि इसके माध्यम से घटनास्थल पर ही प्रारंभिक फॉरेंसिक जांच, साक्ष्य संरक्षण एवं वैज्ञानिक विश्लेषण किया जा सकेगा।

हाईटेक फॉरेंसिक मोबाइल वैन मेंजीपीएस सिस्टम, फिंगरप्रिंट डिटेक्शन किट, नार्कोटिक्स परीक्षण उपकरण, डिजिटल फॉरेंसिक सपोर्ट, फोटोग्राफी एवं डॉक्यूमेंटेशन सुविधा, बुलेट होल स्कैनिंग, बैलिस्टिक जांच, तस्करपरीक्षण किट तथा लाइव लोकेशन ट्रैकिंग जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। कार्यक्रम का संचालनडीएसपी (मुख्यालय) राजेश कुमार झा ने किया तथा आभार प्रदर्शन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश कुमार यादव ने किया। इस अवसर परएसडीओपी भूषण एक्का, डीएसपी श्रीमती शशीकला उईके, साइबर सेल प्रभारी निरीक्षक मयंक मिश्रा, निरीक्षक कृष्णकांत सिंह, उप निरीक्षक अलील चंद, एमटीओ सहायक उप निरीक्षक माधव सिंह, विष्णु सप्रे सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी एवं मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

बीटेक छात्र ने 6वीं मंजिल से कूदकर दी जान, पुलिस जांच में जुटी

रायपुर। राजधानी रायपुर के पंडरी थाना क्षेत्र स्थित अशोका रतन अपार्टमेंट में एक बीटेक छात्र ने 6वीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। घटना गुरुवार दोपहर करीब 11:30 से 12 बजे के बीच की बताई जा रही है। मृतक की पहचान गौरव जायसवाल के रूप में हुई है।जानकारी के मुताबिक, बिल्डिंग से नीचे गिरने के बाद गौरव गंभीर रूप से घायल हो गया था। परिजन और आसपास के लोगों ने उसे तत्काल विधानसभा क्षेत्र स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि छात्र पिछले कुछ दिनों से डिप्रेशन में था। हालांकि आत्महत्या के पीछे की असली वजह अब तक स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस छात्र के मोबाइल और अन्य दस्तावेजों की जांच कर रही है।बताया जा रहा है कि गौरव परिवार का इकलौता बेटा था। परिवार में उसकी दो बहनें हैं। घटना के बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं, मृतक के परिजनों ने मीडिया से दूरी बना ली है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

वकील को अश्लील वीडियो भेजकर ब्लैकमेल, 50 हजार की मांग

रायपुर। राजधानी रायपुर में साइबर ब्लैकमेलिंग का मामला सामने आया है। एक वकील को अश्लील वीडियो भेजकर बदनाम करने की धमकी देते हुए 50 हजार रुपए की मांग की गई। मामले की शिकायत मिलने के बाद सिविल लाइन थाना पुलिस जांच में जुट गई है।जानकारी के अनुसार, पीड़ित वकील कृष्ण कुमार त्रिपाठी ने पुलिस को बताया कि 20 मई की शाम करीब 5:27 बजे उनके मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से मिस्ड कॉल आया। कॉल बैक करने पर सामने वाले ने वीडियो भेजने की बात कही। इसके कुछ देर बाद दूसरे मोबाइल नंबर से उनके फोन पर एक अश्लील वीडियो भेजा गया।वीडियो देखने के बाद वकील हैरान रह गए। इसी दौरान आरोपी ने फिर फोन कर 50 हजार रुपए की मांग की और पैसे नहीं देने पर वीडियो को इंटरनेट, मीडिया और अन्य प्लेटफॉर्म पर वायरल कर बदनाम करने की धमकी दी।पीड़ित ने स्पष्ट किया कि वीडियो से उनका कोई संबंध नहीं है और पैसे देने से इनकार कर दिया। इसके बाद आरोपी लगातार धमकी देने लगा। मामले की गंभीरता को देखते हुए वकील ने सिविल लाइन थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई।पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 308(2) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

राजधानी में नशेड़ी वाहन चालकों पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई,

रायपुर। राजधानी रायपुर में सड़क सुरक्षा और सुगम यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए यातायात पुलिस का विशेष अभियान लगातार जारी है। पुलिस कमिश्नर और प्रभारी पुलिस उपायुक्त यातायात एवं प्रोटोकॉल के निर्देश पर शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है।मोटर वाहन अधिनियम 1988 के तहत चलाए जा रहे अभियान में इस वर्ष अब तक 3252 नशे में वाहन चलाने वाले चालकों पर कार्रवाई की जा चुकी है।इसी क्रम में 20 मई 2026 की रात एडीसीपी यातायात डीआर पोर्ते के नेतृत्व में शहर के विभिन्न चौक-चौराहों पर विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने जन समस्या निवारण शिविर में सुनीं नागरिकों की समस्याएं

आमजनों के हितों के लिए सरकार प्रतिबद्ध-उपमुख्यमंत्री अरुण साव

रायपुर/ संवाददाता

उप मुख्यमंत्री तथा बेमेतरा जिले के प्रभारी मंत्री श्री अरुण साव आज बेरला विकासखण्ड के आनंदगांव में आयोजित जन समस्या निवारण शिविर में शामिल हुए। उन्होंने इस दौरान ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं, मांगों एवं शिकायतों को गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुना। उन्होंने शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों का समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने जन समस्या निवारण शिविर में कहा कि लोगों को अपने जायज कार्यों के लिए सरकारी कार्यालयों के चक्कर न काटने पड़ें, यह प्रशासन की पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि संवेदनशीलता एवं सुशासन सरकार की कार्यशैली का प्रमुख आधार है तथा आमजनों के हितों की रक्षा के लिए सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। शिविर में बड़ी संख्या में पहुंचे नागरिकों ने राजस्व, पेयजल, सड़क, बिजली तथा विभिन्न हितग्राही मूलक योजनाओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। उप मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि हर आवेदन को गंभीरता से लेते हुए त्वरित निराकरण किया जाए। शिविर को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने कहा कि प्रदेश सरकार गरीबों, किसानों, महिलाओं एवं युवाओं के कल्याण के लिए लगातार कार्य कर रही है। शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना ही सरकार का मुख्य उद्देश्य है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में देश एवं प्रदेश में चौमुखी विकास हो रहा है। सरकार द्वारा जनता के

हित में लगातार बड़े निर्णय लिए जा रहे हैं। उन्होंने महतारी वंदन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और जरूरतमंद परिवारों को सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। बेमेतरा विधायक श्री दीपेश साहू ने कहा कि सरकार जनता के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं को सुनने और उनका निराकरण करने का कार्य कर रही है। शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने शिविर में विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को लाभान्वित किया। महिला एवं बाल विकास विभाग अंतर्गत नोनी सुरक्षा योजना के तहत 5 बालिकाओं को पंजीयन पत्र प्रदान किए गए। इसके अलावा 8 गर्भवती माताओं की गोदभराई तथा 5 बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार कराया गया। टीबी उन्मूलन अभियान के अंतर्गत 3 हितग्राहियों को सुपोषण किट वितरित की गई तथा प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत आवास पूर्ण होने पर 5 हितग्राहियों को उनके नए घरों की चाबियां सौंपी गईं। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने हाई स्कूल उपकेंद्र परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि बढ़ते ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन के दौर में पौधारोपण अत्यंत आवश्यक है तथा यह आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए भी जरूरी है। उन्होंने नागरिकों से पौधारोपण अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक अभिनव पहल करते हुए बीज पुंसवन अभियान का शुभारंभ किया। इस विशेष बीज पुंसवन को मिट्टी, गोबर एवं गोमूत्र के मिश्रण से तैयार किया गया है, जिसके भीतर बीज रखा गया है। बरसात के मौसम में इसे लगाने पर पौधा अंकुरित होगा। इस पहल से व्यापक स्तर पर पौधारोपण को बढ़ावा मिलेगा। बेमेतरा की कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं, एसएसपी श्री रामकृष्ण साहू, छत्तीसगढ़ विकास बोर्ड के अध्यक्ष श्री प्रहलाद रजक और जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती कल्पना योगेश तिवारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण बड़ी संख्या में कार्यक्रम में उपस्थित थे। उप मुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री अरुण साव ने अपने एक दिवसीय बेमेतरा प्रवास के दौरान गोश्वारा क्षेत्र में विभिन्न विभागों के अंतर्गत कुल 18 करोड़ 65 लाख 07 हजार रुपए की लागत के 12 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया।

चाकू के साथ तीन आरोपी गिरफ्तार.....

रायपुर। राजधानी रायपुर में कानून व्यवस्था बनाए रखने और अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस लगातार अभियान चला रही है। इसी कड़ी में थाना सिविल लाइन और थाना तेलीबांधा पुलिस ने अलग-अलग कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को बटनदार चाकू के साथ गिरफ्तार किया है। सभी आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।जानकारी के मुताबिक, थाना सिविल लाइन पुलिस को सूचना मिली थी कि राजातालाब क्षेत्र के तरुण नगर स्थित शिव मंदिर और शीतला तालाब के पास कुछ युवक चाकू लहराकर लोगों को डरा-धमका रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर दो आरोपियों को पकड़ लिया।गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मोहम्मद सोहेल खान और प्रदीप दीप उर्फ माया के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान उनके पास से एक बटनदार चाकू और एक स्टील का चमकदार बटनदार चाकू बरामद किया गया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धारा 25 और 27 के तहत अपराध दर्ज किया है।वहीं दूसरी कार्रवाई थाना तेलीबांधा क्षेत्र में की गई। पुलिस टीम रिंग रोड स्थित श्मशान घाट के पास गश्त और चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान एक संदिग्ध युवक को रोककर तलाशी ली गई, जिसमें उसके पास से बटनदार चाकू बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तार आरोपी की पहचान सतीश बघेल के रूप में हुई है। उसके खिलाफभी आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

सुशासन तिहार से किसान दिनेश कुमार यादव को मिली आर्थिक मजबूती.....

- किसान क्रेडिट कार्ड मिलने से अब समय पर मिलेंगे खाद-बीज और कृषि कार्य होंगे आसान'

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में संचालित सुशासन तिहार 2026 किसानों के लिए राहत और आर्थिक सशक्तिकरण का माध्यम बन रहा है। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अब गांव स्तर तक पहुंच रहा है, जिससे किसानों की खेती-किसानी से जुड़ी समस्याओं का त्वरित समाधान हो रहा है। इसी क्रम में सरगुजा जिले में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर के दौरान उदयपुर विकासखंड के मुड़गांव शिविर में ग्राम परसा निवासी किसान श्री दिनेश कुमार यादव को किसान क्रेडिट कार्ड प्रदान किया गया। किसान क्रेडिट कार्ड मिलने से उनकी कृषि कार्यों से जुड़ी आर्थिक चिंताएं काफी हद तक दूर हो गई हैं। श्री दिनेश कुमार यादव ने बताया कि पहले खेती के दौरान समय पर नगद राशि उपलब्ध नहीं होने से खाद-बीज खरीदने और मजदूरों को भुगतान करने में कठिनाई होती थी। कई बार आर्थिक संसाधनों की कमी के कारण कृषि कार्य प्रभावित हो जाते थे। उन्होंने कहा कि अब किसान क्रेडिट कार्ड मिलने से उन्हें समय पर आवश्यक धनराशि उपलब्ध हो सकेगी, जिससे खेती के कार्य बिना रुकावट पूरे किए जा सकेंगे। श्री यादव ने विश्वास जताया कि किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से वे उन्नत तरीके से खेती कर पाएंगे। समय पर खाद, बीज और अन्य कृषि संसाधन उपलब्ध होने से फसल उत्पादन में वृद्धि होगी और परिवार की आय भी बढ़ेगी। श्री दिनेश कुमार यादव ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सुशासन तिहार के माध्यम से गांव में ही उनका किसान क्रेडिट कार्ड बन गया, जिससे खेती-किसानी करना अब आसान हो जाएगा।

बस्तर के सुदूर वनांचल ग्राम भेजा में स्वास्थ्य सेवाओं की मिसाल

- आधुनिक पोर्टेबल मशीन से मौके पर ही हुए 109 एक्स-रे, ग्राम पंचायत को मिला टीबी मुक्त का प्रमाण पत्र

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के सुशासन मॉडल के तहत बस्तर के अंतिम छोर पर बसे गांवों तक स्वास्थ्य सुविधाएं सुगमता से पहुंच रही हैं। इसी कड़ी में बस्तर जिले के सुदूर वनांचल ग्राम भेजा में आयोजित सुशासन तिहार शिविर में स्वास्थ्य विभाग की संवेदनशीलता और अभूतपूर्व कार्यप्रणाली देखने को मिली। इस विशेष शिविर में भेजा सहित आस-पास के दूर-दराज के गांवों से आए कुल 231 ग्रामीणों का विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा सफलतापूर्वक स्वास्थ्य परीक्षण एवं आवश्यक स्क्रीनिंग की गई। सुदूर आदिवासी अंचल के मरीजों को बड़ी राहत देते हुए स्वास्थ्य विभाग द्वारा शिविर में अत्याधुनिक पोर्टेबल एक्स-रे मशीन की विशेष सुविधा उपलब्ध कराई गई थी। इस आधुनिक तकनीक का लाभ उठाते हुए 109 ग्रामीणों का मौके पर ही एक्स-रे स्थल पर ही स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस त्वरित व्यवस्था के कारण स्थानीय आदिवासियों और ग्रामीणों को एक बुनियादी जांच के लिए मीलों दूर शहर जाने की परेशानी और आर्थिक बोझ से पूरी तरह निजात मिल गई। शिविर में केवल इलाज ही नहीं किया गया, बल्कि ग्रामीणों के दीर्घकालिक स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करने के लिए ठोस कदम उठाए गए।लोक स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से शिविर में पात्र हितग्राहियों को मौके पर ही आयुष्मान कार्ड वितरित किए गए। शिविर में उपस्थित आमजनों को शासन की विभिन्न जनहितकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी देकर जागरूक किया गया। इस सुशासन शिविर में बस्तर के स्वास्थ्य इतिहास में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज की गई। क्षेत्र को क्षय रोग से पूरी तरह मुक्त करने की दिशा में किए गए बेहतरीन प्रयासों के लिए ग्राम पंचायत भेजा को श्टीबी मुक्त ग्राम पंचायतश् का आधिकारिक प्रमाण पत्र सौंपा गया। यह शिविर इस बात का जीवंत प्रमाण है कि राज्य सरकार वनांचल के दुर्गम क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों को बेहतर और आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं उनके घर के दरवाजे तक पहुंचाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री के सुशासन मॉडल से गांव-गांव तक पहुंच रही जनकल्याणकारी योजनाएं..

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार की जनहितकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने के लिए चलाया जा रहा सुशासन तिहार अब लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का एक बड़ा अभियान बन चुका है। शासन की योजनाओं का लाभ सीधे और बिना किसी बाधा के पात्र हितग्राहियों तक पहुंचने से प्रदेश के ग्रामीण अंचलों में खुशियों और भरोसे का एक नया वातावरण निर्मित हो रहा है। इसी कड़ी में पेंड्रा विकासखंड के नवागांव की निवासी कुमारी निधि रजक के जीवन में उस समय एक नई उम्मीद जगी, जब उन्हें सुशासन तिहार शिविर में स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयुष्मान कार्ड प्रदान किया गया। कमजोर आर्थिक स्थिति के कारण निधि रजक के परिवार को हमेशा इलाज के बढ़ते खर्च और आकस्मिक स्वास्थ्य समस्याओं की चिंता सताती रहती थी। किसी गंभीर बीमारी की स्थिति में बेहतर अस्पताल में उपचार कराना इस परिवार के लिए एक बड़ी चुनौती थी। आयुष्मान कार्ड मिलने से निधि और उनके परिवार को बहुत बड़ी राहत मिली है। इस कार्ड के माध्यम से अब उन्हें प्रतिवर्ष 5 लाख रुपये तक के नि:शुल्क और गुणवत्तापूर्ण उपचार की सुविधा मिलेगी, जिससे परिवार पर आने वाला आकस्मिक आर्थिक बोझ पूरी तरह खत्म हो जाएगा। आयुष्मान कार्ड प्राप्त होने पर खुशी जाहिर करते हुए निधि रजक ने राज्य सरकार और स्वास्थ्य विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पहले बीमारी और इलाज के खर्च की चिंता हमें हमेशा परेशान करती थी। लेकिन मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में चल रही ये योजनाएं हम जैसे गरीब और जरूरतमंद परिवारों के लिए किसी वरदान से कम नहीं हैं। अब यह कार्ड मिलने से हमारे पूरे परिवार को स्वास्थ्य सुरक्षा का एक बड़ा भरोसा मिला है।

नशेड़ी पत्नी की हत्यारा निकला पति,गिरफ्तार..

रायपुर। शहर के ट्रांसपोर्टनगर क्षेत्र में विवाहिता की संदिग्ध मौत का मामला अब हत्या में बदल गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हत्या की पुष्टि पर मणिपुर थाना पुलिस ने 24 घंटे के भीतर कर दिया और मामले में मृतिका के पति को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपित ने घरेलू विवाद के दौरान पत्नी की डंडे से पिटाई कर दी थी, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने आरोपित को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। मणिपुर थाना क्षेत्र के ट्रांसपोर्टनगर स्थित कदमपारा में किराये के मकान में रहने वाले जमुना चिकवा 35 वर्ष ने अपनी पत्नी सुखमनिया चिकवा 32 वर्ष की हत्या कर दी। पुलिस जांच में सामने आया कि मृतका शराब सेवन की आदी थी। घटना वाले दिन उसने दिन में खाना नहीं बनाया था, जिसके कारण उसके दोनों मासूम बच्चों को पड़ोसियों के यहां भोजन करना पड़ा। रात में जब पति जमुना काम से घर लौटा तो उसे इस बात की जानकारी मिली। उस समय सुखमनिया शराब के नशे में थी और उसने भोजन के नाम पर केवल चावल बनाया था। इस बात को लेकर पति-पत्नी के बीच विवाद हो गया। मणिपुर थाना प्रभारी उप निरीक्षक सीपी तिवारी ने बताया कि जमुना ने पत्नी को कई बार दिन में शराब नहीं पीने की समझाइश दी थी, लेकिन वह नहीं मान रही थी। घटना की रात विवाद बढ़ने पर आरोपी ने डंडे से पत्नी की पिटाई कर दी। आशंका है कि उसने पत्नी को पटक भी दिया था, जिससे उसके फेफड़े में गंभीर अंदरूनी चोट आई।

सुशासन तिहार बना जनविश्वास का उत्सव

पुहपुटरा क्लस्टर समाधान शिविर में उमड़ा ग्रामीणों का भरोसा.....

- पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने सुनीं जनसमस्याएं
- 18 ग्राम पंचायतों से प्राप्त 824 आवेदनों के त्वरित निराकरण के निर्देश

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के सुशासन और जनसरोकारों को केंद्र में रखकर संचालित सुशासन तिहार के अंतर्गत प्रदेश में लगातार समाधान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में सरगुजा जिले के लखनपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत पुहपुटरा क्लस्टर में एक विशाल जनसमस्या निवारण शिविर संपन्न हुआ। इस शिविर में क्षेत्र की 18 ग्राम पंचायतों के ग्रामीण बड़ी संख्या में शामिल होकर लाभान्वित हुए। शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने आमजन से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं, मांगें और सुझाव सुने तथा संबंधित अधिकारियों को समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिए। समाधान शिविर में ग्रामीणों की ओर से विभिन्न मांगों और समस्याओं से संबंधित कुल 824 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें मांग संबंधी आवेदन 770 और शिकायत संबंधी आवेदन 54 शामिल हैं। मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने सभी आवेदनों को संबंधित विभागीय अधिकारियों को सौंपते हुए एक निश्चित समयावधि में इनका निराकरण करने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार एक ऐसी संवेदनशील व्यवस्था विकसित कर रही है, जहाँ नागरिकों को सरकारी दफ्तरों के चक्कर न काटने पड़े, बल्कि गांव स्तर पर ही उनकी समस्याओं का समाधान हो सके। समाधान शिविर को संबोधित करते हुए मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि सुशासन तिहार केवल शिकायत निवारण का मंच नहीं है, बल्कि यह शासन और जनता के बीच के भरोसे को मजबूत

करने का माध्यम है। जब सरकार स्वयं चलकर गांव तक पहुँचती है, तो आम नागरिकों में एक नया संतोष और विश्वास पैदा होता है। ग्रामीणों को शासकीय योजनाओं के प्रति जागरूक करने के लिए शिविर में लगभग 26 प्रमुख विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए थे। स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, महिला एवं बाल विकास, समाज कल्याण, खाद्य और मनरेगा जैसे विभागों ने यहाँ सक्रिय सहभागिता निभाई। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार कराया गया और गर्भवती माताओं को सुपोषण किट सौंपकर गोदभराई की रस्म संपन्न की गई। छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान के अंतर्गत आयोजित आकांक्षा हाट (बिहान) में स्व-सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पादों का प्रदर्शन किया गया, जिसे अतिथियों और ग्रामीणों की भारी सराहना मिली। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के तहत लगभग 50 से अधिक हितग्राहियों को सीधे सामग्री व प्रमाणपत्र वितरित किए गए। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लाभार्थियों को नए घर की खुशियों की चाबी और पूर्णता प्रमाण पत्र सौंपे गए। कृषि एवं खाद्य विभाग द्वारा किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड, मृदा स्वास्थ्य कार्ड और पात्र परिवारों को नए राशन कार्ड वितरित किए गए। स्वास्थ्य विभाग द्वारा ग्रामीणों के लिए आधार और आयुष्मान कार्ड बनाने हेतु विशेष काउंटर लगाए गए। साथ ही समाज कल्याण विभाग द्वारा पात्र वृद्धजनों व दिव्यांगों को पेंशन योजनाओं से लाभान्वित किया गया। इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष श्रीमती शशिकला सिंह, जनप्रतिनिधिगण सहित विभिन्न विभागों के जिला व ब्लॉक स्तरीय अधिकारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित थे।

संपादकीय

ईरान-अमेरिका तनाव के बीच महंगाई का नया संकट

ईरान पर इजराइल और अमेरिका के साझा हमले के बाद वैश्विक स्तर पर ऊर्जा कीमतों में जिस तरह की तेजी आई है, अब तेल कंपनियां आम उपभोक्ताओं पर भी उसका बोझ सीधे डालना शुरू कर चुकी हैं। कुछ समय पहले वाणिज्यिक गैस सिलेंडर और विमानन टर्बाइन ईंधन के दाम में खासी बढ़ोतरी की गई थी। पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच इस बात की आशंका पहले से जताई जा रही थी कि तेल और गैस की कमी की वजह से आने वाले दिनों में जरूरी वस्तुओं की महंगाई बढ़नी तय है। खासतौर पर रसोई गैस की किल्लत की वजह से आम लोगों के सामने कैसी परिस्थितियां पैदा हुई हैं, यह सब जानते हैं। इस दौरान देश में ईंधन, बिजली और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल की वजह से थोक महंगाई दर अप्रैल में 8.3 फीसद दर्ज की गई, जो मार्च में 3.88 फीसद थी। साफ है कि घरेलू बाजार पर अब अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों का असर पड़ना शुरू हो चुका है।हालांकि कुछ समय पहले वाणिज्यिक गैस सिलेंडर और विमानन टर्बाइन ईंधन के दाम में खासी बढ़ोतरी की गई थी, लेकिन उसके असर का दायरा कुछ हद तक सीमित था। अब पेट्रोल और डीजल की कीमतों में इजाफे का मोर्चा जिस तरह खुला है, उससे साफ है कि अगर ईरान और अमेरिका के बीच टकराव के साए में तेल की आपूर्ति लंबे समय तक बाधित रही, तो इसका असर जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित करेगा। गौरतलब है कि तेल कंपनियों की ओर से शुक्रवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में तीन-तीन रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है। वहीं सीएनजी की कीमत में भी दो रुपए प्रति किलोग्राम का इजाफा किया गया।जाहिर है, ईरान पर इजराइल और अमेरिका के साझा हमले के बाद वैश्विक स्तर पर ऊर्जा कीमतों में जिस तरह की तेजी आई है, अब तेल कंपनियां आम उपभोक्ताओं पर भी उसका बोझ सीधे डालना शुरू कर चुकी हैं। यों जब ईरान ने होर्मुज जलमार्ग को बाधित किया था और दोनों पक्षों की ओर से एक-दूसरे के तेलशोधन केंद्रों और ठिकानों पर मिसाइल दागे गए, तभी से यह साफ था कि इसका असर दुनिया भर में होने वाली तेल और गैस की आपूर्ति पर पड़ेगा और नतीजतन सभी क्षेत्रों में महंगाई बढ़ेगी। खासतौर पर उन देशों में ज्यादा मुश्किल पैदा हो सकती है, जहां तेल और गैस की आपूर्ति को सहज बनाए रखने के विकल्प सीमित हैं। दरअसल, होर्मुज जलमार्ग से दुनिया भर में लगभग बीस से पच्चीस फीसद तेल और गैस की आपूर्ति होती है और इसी वजह से इसके बाधित होने के प्रभाव का अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है। स्वाभाविक रूप से भारत में भी तेल और गैस की कमी पैदा हुई।हालांकि अमेरिका की ओर से लगाई गई शर्तों के बीच भारत ने रास्ता निकालने की कोशिश की थी, लेकिन अब युद्ध से उपजी जटिलता जैसे-जैसे लंबी खिंचती जा रही है, वैसे-वैसे विकल्प भी सिमटते जा रहे हैं। यह छिपा नहीं है कि डीजल के दाम में बढ़ोतरी के साथ ही माल ढुलाई की कीमत बढ़ती है और उसकी वजह से सभी जरूरी उपभोक्ता वस्तुओं की महंगाई में बढ़ोतरी होती है। यानी फिलहाल डीजल के दाम तीन रुपए बढ़े हैं, लेकिन ईरान और अमेरिका के रुख के असर में वैश्विक स्तर पर ऊर्जा संकट के जो हालात बने हुए हैं, उसमें यह कहना मुश्किल है कि तेल के दाम में वृद्धि यहीं रुक जाएगी।ऐसी स्थिति में अगर खाने-पीने से लेकर जरूरत की हर चीज की कीमतें बेलगाम हुईं, तो यह एक स्वाभाविक परिणति होगी। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव की वजह से उपजे ऊर्जा संकट में जरूरत इस बात की है कि सरकार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेल और गैस की उपलब्धता वाले देशों के साथ कूटनीतिक संवाद स्थापित करे और देश में गहराती मुश्किल को कम करने के लिए पहलकदमी करे।

ऑपरेशन कन्विक्शन- लखनऊ जोन में अपराध और सजा के बीच घटती दूरी

उत्तर प्रदेश की सबसे बड़ी त्रासदी केवल अपराध नहीं थी, बल्कि अपराध के बाद न्याय का लंबा इंतजार था। पीड़ित मरता एक बार था, पर अदालत की हर तारीख पर थोड़ा-थोड़ा फिर मरता था। लेकिन अब तस्वीर बदल रही है। अब उत्तर प्रदेश में अपराध केवल दर्ज नहीं हो रहा, उसका पीछा अदालत के अंतिम फैसले तक किया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी की 'जीरो टॉलरेंस' नीति और पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण के नेतृत्व में चल रहा 'ऑपरेशन कन्विक्शन' दरअसल इसी 'नए उत्तर प्रदेश' की सबसे निर्णायक कहानी है। यह केवल एक प्रशासनिक अभियान नहीं है। यह अपराध और दण्ड के बीच टूट चुकी दूरी को समाप्त करने का प्रयास है। यह एफआईआर दर्ज करके फाइल बंद कर देने वाली मानसिकता का अंत है। यह उस सोच का प्रतिकार है, जिसमें अपराधी गिरफ्तारी से नहीं, केवल सजा से डरता है। इस अभियान के अंतर्गत पुलिस ने यह तय किया कि अपराधी को पकड़ना ही पर्याप्त नहीं है, उसे अदालत से दण्ड दिलाना ही असली सफलता होगी।

(प्रणय विक्रम सिंह)

इन दिनों उत्तर प्रदेश के अपराध जगत में एक अनकहा भय तैर रहा है। थानों की दीवारों, अदालतों के गलियारों और जेलों की बैरकों के बीच एक नया शब्द तेजी से गूंज रहा है'कन्विक्शन'।

कभी अपराधियों के बीच यह भरोसा सबसे बड़ा कवच हुआ करता था कि 'मुकदमा चलता रहेगा'। हत्या करने वाला जानता था कि गवाह टूट जाएंगे। दुष्कर्मी जानता था कि पीड़ित परिवार अदालतों के चक्कर काटते-काटते थक जाएगा। गैंगस्टर जानता था कि कानून की प्रक्रिया लंबी है और समय सबसे बड़ा बचाव पक्ष होता है।

रात के किसी सन्नाटे में जब कोई मां अपनी बेटी को लेकर भयभीत होती है, जब किसी गांव की पगडंडी पर किसी हत्या के बाद पसरा हुआ सन्नाटा पूरे समाज को डरा देता है, जब कोई विधवा अदालतों के चक्कर काटते-काटते बूढ़ी हो जाती है तब केवल अपराध नहीं होता, समाज का विश्वास भी घायल होता है।

उत्तर प्रदेश में वर्षों तक अपराध का सबसे बड़ा दुस्साहस यही था कि अपराधी को कानून से अधिक अपनी पहुंच और पैरवी पर भरोसा रहता था।

उत्तर प्रदेश की सबसे बड़ी त्रासदी केवल अपराध नहीं थी, बल्कि अपराध के बाद न्याय का लंबा इंतजार था। पीड़ित मरता एक बार था, पर अदालत की हर तारीख पर थोड़ा-थोड़ा फिर मरता था। लेकिन अब तस्वीर बदल रही है।

अब उत्तर प्रदेश में अपराध केवल दर्ज नहीं हो रहा, उसका पीछा अदालत के अंतिम फैसले तक किया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी की 'जीरो टॉलरेंस' नीति और पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण के नेतृत्व में चल रहा 'ऑपरेशन कन्विक्शन' दरअसल इसी 'नए उत्तर प्रदेश' की सबसे निर्णायक कहानी है।

यह केवल एक प्रशासनिक अभियान नहीं है। यह अपराध और दण्ड के बीच टूट चुकी दूरी को समाप्त करने का प्रयास है। यह एफआईआर दर्ज करके फाइल बंद कर देने वाली मानसिकता का अंत है। यह उस सोच का प्रतिकार है, जिसमें अपराधी गिरफ्तारी से नहीं, केवल सजा से डरता है। इस अभियान के अंतर्गत पुलिस ने यह तय किया कि अपराधी को पकड़ना ही पर्याप्त नहीं है, उसे अदालत से दण्ड दिलाना ही असली सफलता होगी।

इसी सोच के साथ लखनऊ जोन, जिसमें सीतापुर, खीरी, रायबरेली, हरदोई, उन्नाव, अयोध्या, सुलतानपुर, बाराबंकी, अम्बेडकरनगर और अमेठी शामिल हैं, ने 01 जनवरी 2026 से 10 मई 2026 तक कुल 328 अभियोगों में अपराधियों को सजा दिलाई। इन मामलों में 457 अभियुक्त दोषसिद्ध हुए।

ये केवल सरकारी आंकड़े नहीं हैं। इन संख्याओं के पीछे टूटे हुए घरों की कराह है। कहीं किसी मां ने बेटा खोया है, कहीं किसी बेटी की अस्मिता कुचली गई है, कहीं किसी पत्नी का सुहाग उजड़ा है, कहीं किसी मासूम बच्चे का बचपन रक्त से रंग दिया गया है।

'ऑपरेशन कन्विक्शन' की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि इसमें महिला अपराध, पॉक्सो, हत्या, संगठित अपराध, गैंगस्टर एक्ट और एनडीपीएस जैसे गंभीर मामलों को प्राथमिकता दी गई।

पुलिस ने केवल गिरफ्तारी नहीं की। गुणवत्तापूर्ण विवेचना हुई। साक्ष्य बोले। फॉरेंसिक ने सच की पुष्टि की। फॉरेंसिक साक्ष्यों को समयबद्ध तरीके से

न्यायालय तक पहुंचाया गया। गवाहों की उपस्थिति सुनिश्चित की गई। अभियोजन विभाग और मॉनिटरिंग सेल के बीच मजबूत समन्वय बनाया गया।

हर केस को अदालत में अंतिम सांस तक लड़ने का प्रयास किया गया। और इसी का परिणाम है कि अब अदालतों से आने वाले फैसले अपराधियों की नींद छीनने लगे हैं। अब अपराधियों को गिरफ्तारी से अधिक 'सजा' का भय सताने लगा है।

सीतापुर का मामला इस अभियान का सबसे भयावह चेहरा है। 11 फरवरी 2022 की रात अभियुक्त नीरज ने अपनी पत्नी माया की हत्या कर दी। लेकिन उसके भीतर का वहशीपन यहीं नहीं रुका। उसने अपने मात्र दो वर्षीय मासूम पुत्र पीयूष को भी जमीन पर पटककर मौत के घाट उतार दिया। बीच-बचाव करने आए अपने भाई सुरेश पर भी धारदार हथियार से हमला कर दिया। यह केवल हत्या नहीं थी, वह मानवीय संवेदनाओं का रक्तरंजित विखंडन था।

लेकिन इस बार कहानी वहीं समाप्त नहीं हुई, जहां अक्सर हो जाया करती थी। पुलिस ने वैज्ञानिक और पेशेवर विवेचना की। साक्ष्य जुटाए गए। अभियोजन ने समयबद्ध पैरवी की। और अंततः माननीय न्यायालय ने अभियुक्त को धारा 302 भादवि में मृत्युदण्ड से दण्डित किया। यह दण्ड केवल एक अपराधी को नहीं मिला, यह संदेश पूरे समाज तक गया कि अब मासूमियत की हत्या का उत्तर कानून देगा।

बाराबंकी में 11 वर्षीय बच्ची के साथ दुष्कर्म करने वाला उसका रिश्ते का चाचा था। यह अपराध केवल शरीर पर हमला नहीं था, विश्वास की हत्या भी था। लेकिन पुलिस ने तत्परता दिखाई। धारा 161 और 164 के बयान, वैज्ञानिक साक्ष्य, समयबद्ध आरोप पत्र और प्रभावी पैरवी, इन सबने मिलकर अभियुक्त को आजीवन कारावास तक पहुंचा दिया। अयोध्या में रंजिश के चलते विवेक वर्मा की हत्या कर दी गई। सात अभियुक्तों ने मिलकर हमला किया। कभी ऐसे मामलों में गवाह टूट जाते थे, साक्ष्य बिखर जाते थे और अभियुक्त छूट जाते थे। पर इस बार थाना पुलिस, पैरोकार और मॉनिटरिंग सेल ने हर साक्ष्य को समय से न्यायालय तक पहुंचाया। परिणाम सातों अभियुक्तों को आजीवन कारावास।

जब हम सीतापुर के उस मासूम की हत्या या बाराबंकी की उस बिटिया की व्यथा को देखते हैं, तब हमें बोध होता है कि न्याय केवल अदालतों की फाइलों में दर्ज कोई शब्द नहीं है, बल्कि यह उस पीड़ित माँ के आंसुओं का जवाब है जिसने अपना बच्चा खोया, उस मासूम की चीख का प्रतिशोध है जिसकी मर्यादा भंग की गई, और उस समाज का विश्वास है जो सुरक्षित रातों का सपना देखता है।

रायबरेली में पुत्रवधू की हत्या
खीरी में पत्नी पर फावड़े से हमला
उन्नाव में पैसों के विवाद में हत्या
हरदोई में पुरानी रंजिश में गोलीबारी
अम्बेडकरनगर में दहेज के लिए बेटी को जला देना
सुलतानपुर में पीट-पीटकर हत्या
अमेठी में संगठित हत्या

इन सभी घटनाओं में एक बात समान थी कि अपराधियों को यह भ्रम था कि समय के साथ मामला ठंडा पड़ जाएगा। लेकिन 'ऑपरेशन कन्विक्शन' ने इस भ्रम को तोड़ दिया।सीतापुर में मृत्युदण्ड। बाराबंकी में पॉक्सो के दोषी को आजीवन कारावास। अयोध्या में हत्या के सात अभियुक्तों को आजीवन कारावास। उन्नाव में चार अभियुक्तों को आजीवन कारावास। हरदोई में तीन दोषियों को आजीवन कारावास। अम्बेडकरनगर में पांच अभियुक्तों को सश्रम आजीवन कारावास। ये सजाएं केवल अदालती आदेश नहीं हैं, यह उस व्यवस्था का पुनर्जन्म है, जिसमें पीड़ित पहली बार महसूस कर रहा है कि राज्य उसके साथ खड़ा है।लखनऊ जोन के जनपदवार आंकड़े भी इस परिवर्तन की कहानी कहते हैं कि सीतापुर में 28 अभियोग, खीरी में 92, रायबरेली में 45, हरदोई में 23, उन्नाव में 18, अयोध्या में 43, सुलतानपुर में 09, बाराबंकी में 47, अम्बेडकरनगर में 10 तथा अमेठी में 13 अभियोगों में अपराधियों को सजा दिलाई गई।यह केवल पुलिसिंग नहीं, न्याय की पुनर्स्थापना है। कभी उत्तर प्रदेश में अदालत की तारीखें अपराधियों के लिए राहत और पीड़ितों के लिए यातना बन जाती थीं। अब वही अदालतें अपराधियों के लिए भय का पर्याय बनने लगी हैं।'ऑपरेशन कन्विक्शन' की सबसे बड़ी सफलता यही है कि इसने समाज को यह भरोसा लौटाया है कि कानून केवल किताबों में नहीं, जमीन पर भी जीवित है।जब किसी दुष्कर्मी को आजीवन कारावास मिलता है, तब किसी पिता का भय थोड़ा कम होता है। जब किसी हत्यारे को मृत्युदण्ड मिलता है, तब किसी गांव का विश्वास लौटता है। जब किसी दहेज हत्यारे को सजा होती है, तब किसी बेटी की आंखों में न्याय का भरोसा जन्म लेता है।उत्तर प्रदेश पुलिस की यह नई कार्यशैली बता रही है कि गुणवत्तापूर्ण विवेचना, वैज्ञानिक साक्ष्य, अभियोजन विभाग से समन्वय और समयबद्ध पैरवी, ये सब अब केवल प्रशासनिक शब्द नहीं रहे, बल्कि न्याय की नई धड़कन बन चुके हैं।आज उत्तर प्रदेश में अपराधियों के बीच दण्ड का भय और समाज के भीतर कानून के प्रति विश्वास दोनों एक साथ जन्म ले रहे हैं। और शायद यही किसी भी सभ्य समाज की सबसे बड़ी विजय होती है। आज लखनऊ जोन की हवाओं में न्याय की सुगंध है और जनता के मन में यह विश्वास प्रतिष्ठित हो रहा है कि कानून के हाथ अब केवल लंबे ही नहीं, अत्यंत कठोर और न्यायप्रिय भी हैं।ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

पीएम मोदी की पांच देशों की विदेश यात्रा के कूटनीतिक निहितार्थ भारत के लिए महत्वपूर्ण

(कमलेश पांडे)

यूरोप के साथ नई तकनीकी साझेदारी विकसित होगी, क्योंकि नीदरलैंड, स्वीडन और नॉर्वे का चयन बहुत रणनीतिक माना जा रहा है। चूंकि इन देशों से भारत सेमीकंडक्टर तकनीक, हरित ऊर्जा, जल प्रबंधन, एआई और रक्षा तकनीक और आर्कटिक एवं समुद्री सहयोग को मजबूत करना चाहता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पांच देशों के हालिया विदेश दौरे के कई बड़े कूटनीतिक, आर्थिक, सामरिक और राजनीतिक मायने हैं। क्योंकि मई 2026 में उनका यूएई, नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली का दौरा ऐसे समय हो रहा है, जब दुनिया ऊर्जा संकट, ईरान युद्ध, सप्लाई चेन अस्थिरता और नए वैश्विक ध्रुवीकरण से गुजर रही है। लिहाजा, पीएम मोदी का यह विदेश दौरा केवल औपचारिक यात्रा नहीं, बल्कि ऊर्जा सुरक्षा, वैश्विक शक्ति संतुलन, निवेश आकर्षण, तकनीकी साझेदारी, और भारत की उभरती महाशक्ति छवि को मजबूत करने की बहुस्तरीय रणनीतिक कवायद माना जा रहा है।

पहला, ऊर्जा सुरक्षा सबसे बड़ा लक्ष्य है, क्योंकि भारत दुनिया का बड़ा तेल आयातक देश है। ईरान संकट और पश्चिम एशिया में तनाव के कारण तेल कीमतें बढ़ रही हैं। ऐसे समय में यूएई दौरा भारत की ऊर्जा सुरक्षा मजबूत करने का प्रयास माना जा रहा है। लिहाजा भारत और यूएई के बीच रणनीतिक पेट्रोलियम भंडारण, एलपीजी (एलपीजी) सप्लाई, ऊर्जा निवेश, समुद्री सुरक्षा जैसे अहम समझौते हुए हैं। इससे संकेत मिलता है कि भारत भविष्य के किसी बड़े वैश्विक ऊर्जा संकट के लिए खुद को सुरक्षित करना चाहता है।

दूसरा, पश्चिम एशिया में भारत की रणनीतिक पकड़ बढ़ रही है, क्योंकि यूएई ने पीएम मोदी का असाधारण स्वागत किया- एफ-16 एस्कॉर्ट और राष्ट्रपति स्तर की अगवानी- यह दिखाता है कि भारत अब केवल तेल खरीदने वाला देश नहीं बल्कि एक रणनीतिक साझेदार बन चुका है। इसके मायने ये निकलते हैं कि पाकिस्तान की पारंपरिक खाड़ी पकड़ कमजोर होगी और भारत की अरब देशों में स्वीकार्यता बढ़ती जाएगी। इससे रक्षा और टेक्नोलॉजी सहयोग का विस्तार भी होगा।

तीसरा, यूरोप के साथ नई तकनीकी साझेदारी विकसित होगी, क्योंकि नीदरलैंड, स्वीडन और नॉर्वे का चयन बहुत रणनीतिक माना जा रहा है। चूंकि इन देशों से भारत सेमीकंडक्टर तकनीक, हरित ऊर्जा, जल प्रबंधन, एआई और रक्षा तकनीक और आर्कटिक एवं समुद्री सहयोग को मजबूत करना चाहता है। विशेषकर सेमीकंडक्टर क्षेत्र में भारत चीन पर निर्भरता कम करना चाहता है। इसलिए इस पहल के अपने रणनीतिक मायने हैं।

चौथा, चीन और अमेरिका दोनों को संतुलित संदेश देने के लिए पीएम मोदी का यह दौरा मल्टी-अलाइनमेंट नीति का हिस्सा भी है, इससे अमेरिका के साथ साझेदारी, रूस से संबंध, अरब देशों से सामरिक निकटता, यूरोप के साथ तकनीकी सहयोग, चीन के प्रभाव का संतुलन बढ़ेगा। चूंकि भारत यह संदेश देना चाहता है कि वह किसी एक गुट का हिस्सा नहीं बल्कि स्वतंत्र वैश्विक शक्ति है।

पांचवां, भारत को निवेश हब बनाने की कोशिश यूएई द्वारा भारत में 5 अरब डॉलर निवेश की घोषणा महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इससे इंफ्रास्ट्रक्चर, बैंकिंग, लॉजिस्टिक्स, बंदरगाह, ऊर्जा क्षेत्र में निवेश बढ़ सकता है। यह मेक इन इंडिया और भारत को मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने की रणनीति से जुड़ा है।

छठा, घरेलू राजनीति के संकेत के नजरिए से दिलचस्प बात यह है कि एक तरफ पीएम मोदी जनता से ईंधन बचाने, विदेशी यात्राएं कम करने और विदेशी मुद्रा बचाने की अपील कर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ खुद बड़े वैश्विक दौरे कर रहे हैं। इसका राजनीतिक संदेश यह जाएगा कि कठिन वैश्विक समय में सक्रिय नेतृत्व पीएम दे रहे हैं और भारत संकट में भी वैश्विक केंद्र बना हुआ है। इससे पीएम मोदी की व्यक्तिगत कूटनीतिक छवि मजबूत होकर चमकेगी।

सातवां, भारत की वैश्विक छवि निर्माण के दृष्टिकोण से यह दौरा यह दिखाने का प्रयास भी है कि भारत केवल क्षेत्रीय शक्ति नहीं, बल्कि ऊर्जा, तकनीक, व्यापार और सुरक्षा में निर्णायक वैश्विक खिलाड़ी बन रहा है। विशेषकर ज20 के बाद भारत अपनी विश्व नेतृत्व छवि को स्थायी बनाना चाहता है। इसके संभावित दीर्घकालिक प्रभाव भारत के लिए अहम साबित हो सकते हैं, क्योंकि इससे जहां ऊर्जा सुरक्षा मजबूत होगी, वहीं विदेशी निवेश बढ़ने की संभावना रहेगी।

साथ ही रक्षा-तकनीकी सहयोग विस्तार से वैश्विक प्रभाव में वृद्धि होगी। भारत की यह नई चाल चीन के लिए यूरोप और खाड़ी में भारत की सक्रियता चीन के प्रभाव को चुनौती दे सकती है। जबकि पाकिस्तान के लिए खाड़ी देशों में भारत की बढ़ती स्वीकार्यता रणनीतिक दबाव बढ़ा सकती है। वहीं, यूरोप के लिए चीन के विकल्प के रूप में भारत की अहमियत बढ़ेगी। जबकि अमेरिका के लिए भारत एक आवश्यक रणनीतिक साझेदार बना रहेगा, भले ही वह पूरी तरह अमेरिकी धड़े में न जाए।

कब तक होगा परीक्षार्थियों के भविष्य से खिलवाड़?

(डॉ. रमेश ठाकुर)

करोड़ों लोग नीट परीक्षा लीक कांड की जांच को अब धूमिल होते देख रहे हैं। तसल्ली उन अभिभावकों को भी कर लेनी चाहिए,जो न्याय की उम्मीद लिए बैठे हैं। निष्पक्ष जांच-पड़ताल की आस अब इसलिए भी नहीं की जा सकती। क्योंकि पूरा सिस्टम जांच छोड़कर, बड़ी मछलियों को बचाने में ही जुटेगा।

'नीट प्रश्नपत्र लीक' मामले में गिरफ्तारियों की धरपकड़ जारी है। पड़ताल का जिम्मा सीबीआई को सौंपा गया है। राजस्थान से कुछ आरोपी गिरफ्तार हुए हैं। लेकिन जो आरोपी पकड़े गए हैं वह सियासत से संबंध रखते हैं। पुलिस अभिरक्षा में उनका सार्वजनिक रूप से मीडिया के कैमरों पर बोलना कि वह तो मौहरे मात्र हैं। खिलाड़ी तो कोई और ही हैं वह बड़े-बड़े स्तर के? आरोपियों के मुख से निकले ये शब्द निश्चित रूप से निष्पक्ष जांच की उम्मीदों पर ग्रहण लगाने के लिए प्याप्त हैं। यहीं से मुकम्मल जांच की उम्मीदें टूटती दिखाई पड़ती हैं। साढ़े 22 लाख परीक्षार्थियों के भविष्य के साथ हुआ इतना बड़ा खिलवाड़ भी क्या एक कहानी बनकर सरकारी फाइलों में सिमट जाएगा?

करोड़ों लोग नीट परीक्षा लीक कांड की जांच को अब धूमिल होते देख रहे हैं। तसल्ली उन अभिभावकों को भी कर लेनी चाहिए,जो न्याय की उम्मीद लिए बैठे हैं। निष्पक्ष जांच-पड़ताल की आस अब इसलिए भी नहीं की जा सकती। क्योंकि पूरा सिस्टम जांच छोड़कर, बड़ी मछलियों को बचाने में ही जुटेगा। ऐसा इस बार नहीं, पिछले तकरीबन सभी पेपर लीक कांडों में हुआ। नीट दाखिला परीक्षा है, भर्ती की पूरी की पूरी परीक्षा भारत में लीक होने लगी हैं। बावजूद इसके केंद्रीय हुकूमत कोई ऐसा उपाय नहीं कर पा रही जिससे परीक्षार्थियों के भविष्य के साथ किया जाने वाला खिलवाड़ रूक सके।

'नीट प्रश्नपत्र लीक' मामले में गिरफ्तारियों की धरपकड़ जारी है। पड़ताल का जिम्मा सीबीआई को सौंपा गया है। राजस्थान से कुछ आरोपी गिरफ्तार हुए हैं। लेकिन जो आरोपी पकड़े गए हैं वह सियासत से संबंध रखते हैं। पुलिस अभिरक्षा में उनका सार्वजनिक रूप से मीडिया के कैमरों पर बोलना कि वह तो मौहरे मात्र हैं। खिलाड़ी तो कोई और ही हैं वह बड़े-बड़े स्तर के? आरोपियों के मुख से निकले ये शब्द निश्चित रूप से निष्पक्ष जांच की उम्मीदों पर ग्रहण लगाने के लिए प्याप्त हैं। यहीं से मुकम्मल जांच की उम्मीदें टूटती दिखाई पड़ती हैं। साढ़े 22 लाख परीक्षार्थियों के भविष्य के साथ हुआ इतना बड़ा खिलवाड़ भी क्या एक कहानी बनकर सरकारी फाइलों में सिमट जाएगा?

पिछले 7 वर्षों में यानी 2019 से लेकर 2026 मई तक, भारत में विभिन्न स्तरीय प्रतियोगी लगभग 70 परीक्षाओं के पेपर लीक हुए। आज तक किसी मामले की जांच न पूरी हुई और ना किसी मामले में न्याय हुआ। प्रत्येक मामलों में छोटे स्तर के कर्मचारी ही पकड़े गए जिन्हें कुछ महीनों बाद या एकाध वर्षों में जमानत मिल गई। सबसे पहले दाखिला परीक्षा कराने वाली एनटीए को उनकी जिम्मेदारियों से मुक्त कर देना चाहिए। एनटीए का कार्य इसलिए भी अब संतोषजनक नहीं, क्योंकि वह पुराने तौर-तरीकों को अभी भी अपनाती है।अपने सिस्टम को रिफॉर्म भी नहीं करती। विश्व की प्रतिष्ठित भरोसेमंद परीक्षाओं से भी कुछ नहीं सीखती। इंटरनेट-कंप्यूटर के जमाने में भी प्रश्न पत्र मुद्रित करके परीक्षा केंद्रों पर पहुंचाने में विश्वास करती है।अगर ऐसा ही करना है तो प्रश्नपत्रों के सेट बदले हुए और अलग-अलग होने चाहिए ताकि किसी तरह की गड़बड़ी की संभावनाएं न हो। अगर खुदा ना खास्ता कुछ हो भी, तो पूरी परीक्षा रद ना की जाए, सिर्फ उसी सेंटर पर दोबारा परीक्षा करवाई जाए, जहां कुछ गड़बड़ी हुई हो? अगर ऐसे आधुनिक तरीके अपनाए जाते तो परीक्षार्थियों के साथ खिलवाड़

न होता।

केंद्र से लेकर राज्य सरकारें भी अच्छे से जानती हैं कि भारत में आयोजित होने वाली हर चौथी प्रतियोगी परीक्षा का पेपर का लीक होता है जिसमें पुलिस भर्ती और शिक्षा परीक्षाएं कुख्यात हैं। जबकि, नीट परीक्षा नौकरी या भर्ती की परीक्षा नहीं होती, मेडिकल कॉलेजों में दाखिले के लिए आयोजित होती है उसमें भी सेंधमारी, हद है? गौरतलब है अगर पूर्ववर्ती पेपर लीक मामलों में सख्ती और स्वतंत्र-निष्पक्ष जांच हुई होती और आरोपियों के नाम सार्वजनिक किए गए होते और सजा के तौर पर उम्रकैद या मोटा हर्जाना वसूला गया होता, तो ऐसे कांड करने वाले भय खाते, डरते। भविष्य में गड़बड़ी करने से तौबा भी करते? लेकिन लचीला कानून-प्रशासन का उदार रवैया और कमजोर सजा-जुर्माने से आरोपी तनिक भी नहीं डरते। एक कांड करते हैं दूसरे की तैयारी में लगे होते हैं। फिलहाल मौजूदा नीट पेपर कांड पहला दोष तो परीक्षा कराने वाली संस्था 'नेशनल टेस्टिंग एजेंसी' यानी एनटीए का ही है। मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश की पात्रता परीक्षा नीट के सवाल लीक होने से पूरी परीक्षा रद्द करने की मजबूरी जितनी शर्मनाक है, उतनी ही चिंताजनक।

एनटीए का गठन 2017 में हुआ, तब से लेकर आज तक इस संस्था की विश्वसनीयता सवालों के घेरे में रही। 5 मई 2024 को भी जब इसी नीट परीक्षा में गड़बड़झाला हुआ और मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा था। तब संस्था ने भविष्य में इस तरह की गलती दोबारा न करने का आश्वासन न सिर्फ अदालत को दिया था बल्कि केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय को भी भरोषा दिया था? पर, बेशर्मी देखिए मात्र 24 महीनों बाद भी उससे पहले से भी बड़ा कांड कर दिया। पिछली दफा इन्होंने कई छात्रों को पूरे-पूरे 720 नंबर दे डाले थे,जबकि वो सभी छात्र पढ़ने में सामान्य थे उनके मुकाबले टॉपरों को उनसे कहीं कम नंबर दिए गए थे। इस बार तो उससे भी बड़ा ब्लंडर हुआ। पेपर लीक की सूचना सबसे पहले राजस्थान से बाहर निकली। जहां, कई छात्रों के पास 140 से अधिक परीक्षा के मूल प्रश्नों से हूबहू प्रश्न गेस पेपरों में मिले।

लीक प्रश्नों पर सबसे पहले एनटीए की ओर से सफाई दी गई कि प्रश्न प्रिंटिंग प्रेस से लीक हुए। जबकि, सभी जानते हैं कि जहां पेपरों की छपाई होती है जहां परिंदा भी पर नहीं मार सकता। बेहद गुप्त स्थान होता है और वहां के कर्मचारियों को फोन तक रखने की इजाजत नहीं होती। ऐसे में प्रिंटिंग प्रेस से प्रश्नों के लीक होने का सवाल ही नहीं उठता। इस कांड में पूरा का पूरा सिंडिकेट शामिल होता है। समय का तकाजा है ऐसी विधि केंद्रीय लेबल पर बननी चाहिए, ताकि छात्रों के जीवन से कोई खिलवाड़ न कर पाए। केंद्र सरकार को आगे आकर हस्तक्षेप करना चाहिए। क्योंकि मौजूदा कांड में हुकूमत की चुप्पी सभी को अखर रही है। ऐसी घटनाओं के घट जाने के बाद छात्र सिर्फ सरकार से ही न्याय की उम्मीद करते हैं। उनकी उम्मीदें नहीं टूटनी चाहिए। (लेखक सदस्य, राष्ट्रीय जन सहयोग एवं बाल विकास संस्थान (एनआईपीसीसीडी) भारत सरकार! (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

ऑनलाइन आईपीएल सट्टा, एक और आरोपी गिरफ्तार

धमतरी। पुलिस अधीक्षक धमतरी सूरज सिंह परिहार द्वारा समीक्षा बैठक के दौरान जिले के समस्त थाना प्रभारियों को जुआ, सट्टा एवं ऑनलाइन आईपीएल सट्टा जैसी अवैध गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखते हुए कठोर एवं प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा है कि जिले में किसी भी प्रकार के अवैध जुआ एवं सट्टा गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा ऐसे मामलों में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध लगातार अभियान चलाकर सख्त कानूनी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। इसी क्रम में थाना सिटी कोतवाली धमतरी पुलिस द्वारा ऑनलाइन आईपीएल सट्टा संचालित करने वाले आरोपी के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही की गई है। थाना सिटी कोतवाली पुलिस पेट्रोलिंग एवं भ्रमण के दौरान गोल बाजार धमतरी क्षेत्र में मौजूद थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि रेलवे स्टेशन के पास एक व्यक्ति मोबाइल फोन के माध्यम से ऑनलाइन आईपीएल सट्टा संचालित कर रहा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की गई तथा आरोपी को ऑनलाइन सट्टा खेलते एवं हार.जीत का दांव लगवाते रंगे हाथ पकड़ा गया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह.रू ब्रह्दरश्च श्व3ष्द्ध नामक ऑनलाइन लिंक एवं मोबाइल एप के माध्यम से आईपीएल क्रिकेट मैच में हार.जीत का दांव लगाकर ऑनलाइन सट्टा खेल रहा था। आरोपी द्वारा ऑनलाइन सट्टेबाजी के लिए आईडी एवं पासवर्ड का उपयोग किया जा रहा था तथा मोबाइल एप के माध्यम से रुपए.पैसों का लेनदेन किया जा रहा था। जांच के दौरान आरोपी द्वारा ऑनलाइन आईपीएल सट्टा खेलने एवं रकम के लेनदेन हेतु उपयोग किए गए बैंकिंग एवं यूपीआई ट्रांजेक्शन संबंधी जानकारी भी प्राप्त हुई है। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि उसने ऑनलाइन सट्टेबाजी के लिए संबंधित व्यक्ति के खाते में फोन.पे एवं यूपीआई माध्यम से कुल 49,990 रुपये ट्रांसफर किए थे। पुलिस द्वारा आरोपी के कब्जे से ऑनलाइन सट्टा संचालन में प्रयुक्त एक नग वन प्लस 11 मोबाइल फोन जप्त किया गया है, जिसमें जियो एवं एयरटेल कंपनी के सिम कार्ड लगे हुए थे। जप्त मोबाइल की अनुमानित कीमत लगभग 10,000 रुपये आंकी गई है। साथ ही ऑनलाइन सट्टेबाजी में उपयोग किए जा रहे लिंक, आईडी, पासवर्ड, यूपीआई ट्रांजेक्शन एवं अन्य डिजिटल साक्ष्यों को जांच में शामिल कर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

आरोपी के विरुद्ध थाना सिटी कोतवाली धमतरी में धारा 7-1 छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। संदीप ओटवानी उर्फ जागरा पिता स्व.जोधाराम ओटवानी उम्र 40 वर्ष निवासी सिंधी धर्मशाला के सामने आमापारा धमतरी थाना सिटी कोतवाली जिला धमतरी। धमतरी पुलिस द्वारा जिले में अवैध जुआ, सट्टा एवं साइबर संबंधी अपराधों के विरुद्ध लगातार अभियान चलाकर प्रभावी कार्यवाही की जा रही है तथा भविष्य में भी इस प्रकार की कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

सभापति स्पीकर कौशिल्या देवांगन सुशासन तिहार शिविर में हुईं

धमतरी। नगर पालिक निगम क्षेत्र अंतर्गत सोरिद एवं जोधापुर वार्ड में आयोजित सुशासन तिहार शिविर में नगर निगम सभापति स्पीकर श्रीमती कौशिल्या देवांगन शामिल हुईं। शिविर का शुभारंभ सुबह आयोजित योग शिविर से हुआ, जिसमें सभापति श्रीमती देवांगन ने स्वयं योग कर नागरिकों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। योग शिविर में महिलाओं, युवाओं एवं बुजुर्गों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सुशासन तिहार शिविर में बड़ी संख्या में वार्डवासी अपनी समस्याएं, मांगें एवं आवेदन लेकर पहुंचे। सभापति श्रीमती कौशिल्या देवांगन ने आम नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को त्वरित निराकरण एवं आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना तथा आमजन की समस्याओं का समयबद्ध समाधान करना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि सुशासन तिहार शासन की एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसके माध्यम से जनता और प्रशासन के बीच सीधा संवाद स्थापित हो रहा है। इससे लोगों की समस्याओं का मौके पर ही निराकरण संभव हो रहा है तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी आम नागरिकों तक पहुंच रही है। शिविर के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का सभापति द्वारा निरीक्षण किया गया। उन्होंने अधिकारियों से योजनाओं की जानकारी सरल एवं प्रभावी तरीके से नागरिकों तक पहुंचाने के निर्देश दिए। शिविर में स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, राजस्व, नगर निगम, शिक्षा सहित विभिन्न विभागों द्वारा योजनाओं की जानकारी दी गई तथा पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। इस अवसर पर छोटे बच्चों को सुपोषण किट वितरित कर उनके बेहतर स्वास्थ्य एवं पोषण के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया। साथ ही नौनिहाल बच्चों को विद्या आरंभ प्रमाण पत्र प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी गईं। बच्चों एवं अभिभावकों में विशेष उत्साह देखने को मिला। सभापति श्रीमती कौशिल्या देवांगन ने उपस्थित अधिकारियों से कहा कि शिविर में प्राप्त आवेदनों एवं मांगों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जाए ताकि नागरिकों को राहत मिल सके। उन्होंने वार्डवासियों से शासन की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने तथा प्रशासन के साथ सकारात्मक सहभागिता बनाए रखने की अपील की। इस अवसर पर जनप्रतिनिधिगण, विभिन्न विभागों के अधिकारी.कर्मचारी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, महिला समूह की सदस्याएं एवं बड़ी संख्या में वार्डवासी उपस्थित रहे।

रेलवे इंस्टीट्यूट द्वारा किया गया समर कैंप का आयोजन

दल्लीराजहरा। रेलवे इंस्टीट्यूट द्वारा आयोजित समर कैंप सीजन-4 के तहत सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। इस बौद्धिक मुकाबले में कक्षा छठवीं से ऊपर के 53 विद्यार्थियों ने पूरे जोश के साथ हिस्सा लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। समर कैंप का सबसे भावुक पल तब आया जब कुछ पालकों ने कैंप में शामिल अपने नन्हे बच्चों को भी परीक्षा में बैठने का अनुरोध किया। बच्चों की सीखने की ललक और उत्सुकता को देखकर आयोजन समिति मना नहीं कर पाई और उन्हें विशेष अनुमति दे दी गई।

इस प्रतियोगिता में सबसे कम उम्र की प्रतिभागी पूर्विका साहू रहीं, जिन्होंने अपनी मौजूदगी से सभी का दिल जीत लिया। आयोजन समिति ने जानकारी दी कि परीक्षा के लिए तीन अलग-अलग सेटों में प्रश्न पत्र तैयार किए गए थे। कुल 60 वस्तुनिष्ठ प्रश्नों को इस परीक्षा में प्रत्येक सही उत्तर पर एक अंक निर्धारित था, जबकि गलत उत्तर देने पर एक चौथाई अंक की नेगेटिव मार्किंग रखी गई थी। प्रश्न पत्र में गणित, सामान्य ज्ञान और रीजनिंग शास्त्र से जुड़े बीस-बीस अंकों के सवाल शामिल थे, जिससे बच्चों की बहुआयामी समझ का आकलन किया जा सके। समर कैंप में इस तरह की प्रतियोगिताएं बच्चों के ज्ञानवर्धन के साथ उनके आत्मविश्वास को भी नई ऊंचाई दे रही है। रेलवे इंस्टीट्यूट समर कैंप के मुख्य कोच एडवर्ड स्टीफन ने बताया कि रेलवे प्रशासन की मदद से समर कैंप का आयोजन का यह चौथा साल है। बच्चों की प्रतिभा निखारने का यह हमारा छोटा सा प्रयास है हम चाहते हैं कि इस समर कैंप के माध्यम से बच्चे पूरी विद्या में पारंगत हो। इस समर कैंप के एक-एक दिन का फायदा उन्हें मिल सके यही हमारा प्रयास है। जब बच्चे समर कैंप समाप्त के बाद यहां से निकले तो पूरी आत्मविश्वास उनके ऊपर जागृत हो।

डीजल के अभाव में कोकान साइट का ठेका कार्य एक सप्ताह से ठप्प

दल्लीराजहरा। डीजल की कमी के चलते राजहरा यंत्रीकृत खान में देव माइनिंग कंपनी द्वारा संचालित कोकान साइट का ठेका कार्य पिछले एक सप्ताह से पूरी तरह ठप्प पड़ा है। काम बंद होने से जहां बीएसपी के उत्पादन पर असर पड़ रहा है, वहीं सैकड़ों ठेका श्रमिकों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। हालात को गंभीर बताते हुए सीटू यूनियन ने खदान के प्रभारी महाप्रबंधक जयप्रकाश को ज्ञापन सौंपकर काम तत्काल शुरू कराने और बंद अवधि का वेतन दिलाने की मांग की है।

अन्य खदानों में शुरू हुआ काम, राजहरा अब भी बंद

सीटू अध्यक्ष ज्ञानेन्द्र सिंह ने बताया कि डीजल संकट के कारण महामाया, दल्ली और झरनदल्ली की खदानों में भी काम रुका था, लेकिन वहां पिछले दिनों से काम फिर शुरू हो चुका है। सिर्फ राजहरा यंत्रीकृत खान में ही अब तक ठेका कार्य प्रारंभ नहीं हो सका है। यूनियन ने सवाल उठाया कि जब परेशानी सब जगह एक जैसी है तो केवल राजहरा का काम बंद रखना किसी भी नजरिए से उचित नहीं है। ठेकेदार और प्रबंधन द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी श्रमिकों को न देने से मजदूरों में आ क्रोश बढ़ रहा है और तरह-तरह की शंकाएं भी जन्म ले रही हैं।

मुख्य महाप्रबंधक को भी सौंपा ज्ञापन

सीटू ने सभी खदानों में हुई अचानक कामबंदी के दौरान ठेका श्रमिकों का वेतन भुगतान सुनिश्चित कराने के लिए मुख्य महाप्रबंधक खदान को भी अलग से ज्ञापन सौंपा है। यूनियन ने चेतावनी दी है कि अगर जल्द काम शुरू नहीं हुआ और श्रमिकों को राहत नहीं मिली तो आंदोलन का रास्ता अपनाया जाएगा।

बिना सूचना काम बंद करना अवैधानिक : सीटू

यूनियन पदाधिकारियों ने प्रबंधन से विस्तृत चर्चा के दौरान स्पष्ट किया कि ठेकेदारों द्वारा बिना किसी पूर्व सूचना के अचानक काम बंद किया गया है, जो अवैधानिक कामबंदी के दायरे में आता है। ऐसे में नियमानुसार बंद अवधि का पूरा वेतन श्रमिकों को मिलना चाहिए। साथ ही भविष्य में इस तरह की स्थिति दोबारा न बने, इसे भी प्रबंधन को सुनिश्चित करना होगा। महाप्रबंधक प्रभारी जयप्रकाश ने यूनियन को आश्वस्त किया कि डीजल संकट को लेकर आज ही ठेकेदारों के साथ विस्तारित बैठक बुलाई गई है और जल्द ही सकारात्मक समाधान निकाल लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि कामबंदी के दौरान श्रमिकों के वेतन भुगतान को लेकर कार्मिक विभाग से चर्चा कर नियमानुसार कदम उठाया जाएगा। प्रबंधन भविष्य में कामबंदी रोकने के लिए गंभीरता से रणनीति तैयार कर रहा है, जिसके परिणाम जल्द सामने आएंगे। बैठक में मशीनों के रखरखाव में आ रही कमजोरी के मुद्दे पर भी चर्चा हुई और प्रबंधन ने सभी बिंदुओं पर त्वरित कार्रवाई का भरोसा दिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ टिप्पणी राहुल गांधी की ओछी मानसिकता

दल्लीराजहरा। दल्लीराजहरा देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'गद्दार' कहने वाले राहुल गांधी पहले अपने परिवार का देशविरोधी और गद्दारी से भरा इतिहास देखें। आपातकाल लगाने वाले, देश का विभाजन कराने वाले और सिखों का कत्लेआम करने वाले गांधी परिवार का असली चेहरा बेनकाब हो चुका है। कथित रूप से मानसिक रोगी राहुल गांधी द्वारा देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ रायबरेली की जनसभा में इस्तेमाल की गई देशद्रोही और अत्यंत ओछी भाषा पर भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा, जिला-बालोद ने ज्वालामुखी की तरह उग्र और तीखा आक्रोश व्यक्त किया है। भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिला अध्यक्ष श्याम जायसवाल ने राहुल गांधी के इस बयान पर सीधा प्रहार करते हुए कहा कि लगातार मिल रही करारी राजनैतिक शिकस्त और जनता द्वारा बार-बार नकारे जाने के बाद राहुल गांधी पूरी तरह मानसिक संतुलन खो चुके हैं। वे विदेशी ताकतों के इशारे पर भारत में अराजकता और गृहयुद्ध जैसी स्थिति पैदा करने की गहरी साजिश रच रहे हैं, जिसे देश की जनता कभी बर्दाश्त नहीं करेगी। गद्दारी और देशविरोधी फैसलों का असली डीएनए गांधी परिवार में हैः श्याम जायसवाल ने आगे अपने बेहद तल्ख और आक्रोशित बयान में राहुल गांधी को उनके परिवार का आईना दिखाते हुए कहा, दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता, परम देशभक्त और देश के करोड़ों पिछड़ों, शोषितों, वंचितों के मसीहा नरेंद्र मोदी को 'गद्दार' कहने की जुर्रत करने वाले राहुल गांधी शायद भूल गए हैं कि गद्दारी का असली इतिहास इनके गांधी परिवार का रहा है। देश को गद्दारी और देशविरोधी फैसलों की दलदल में धकेलने का एक लंबा इतिहास खुद गांधी परिवार का है। जायसवाल ने गांधी परिवार के काले इतिहास पर कड़ा हमला बोलते हुए निम्नलिखित मुख्य बिंदुओं का उल्लेख किया। देश का विभाजन और जमीन दान में देनाः सत्ता की भूख में देश का विभाजन स्वीकार करना, नेहरू जी के कार्यकाल में भारत की हजारों वर्ग किलोमीटर जमीन चीन को सौंप देना और कश्मीर की समस्या को दशकों तक उलझाए रखना इसी गांधी परिवार की देन है। लोकतंत्र की हत्या (आपातकाल 1975): आज संविधान की झूठी दुहाई देने वाले राहुल गांधी की दादी इंदिरा गांधी ने अपनी कुर्सी बचाने के लिए पूरे देश को जेलखाना बना दिया था, लाखों बेगुनाहों को जेल में ठंसा और देश के लोकतंत्र की क्रूरता से हत्या की। क्या यह देश के साथ गद्दारी नहीं थी? सिखों का क्रूर नरसंहार (1984): दिल्ली की सड़कों पर हजारों निर्दोष सिखों का कत्लेआम कराया गया और तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने यह कहकर उस नरसंहार को जायज ठहराया था कि 'जब बड़ा पेड़ गिरता है तो धरती हिलती है'।

सैनिकों के शौर्य पर सवाल और विदेशी ताकतों से सांठगांठ

चीन के दूतावास से गुपचुप तरीके से पैसे लेना, सर्जिकल स्ट्राइक पर हमारी जांबाज सेना से सबूत मांगना और विदेशी धरती पर जाकर भारत विरोधी ताकतों के साथ मिलकर देश को बदनाम करना राहुल गांधी की आदतों में शुमार है। एक पिछड़े समाज से आने वाले प्रधानमंत्री का अपमान अब बर्दाश्त से बाहर श्याम जायसवाल ने दो टूक शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा कि नरेंद्र मोदी जी देश की अस्मिता, अखंडता और 140 करोड़ भारतीयों के स्वाभिमान के प्रतीक हैं। एक अत्यंत पिछड़े परिवार से निकलकर देश को विश्व गुरु बनाने की राह पर ले जाने वाले प्रधानमंत्री के खिलाफऐसी अमर्यादित और देशद्रोही भाषा का प्रयोग पूरे अन्य पिछड़ा वर्ग समाज का घोर अपमान है। पिछड़ा वर्ग समाज अब इस अपमान को चुपचाप बर्दाश्त नहीं करेगा और कांग्रेस को इसकी भारी राजनैतिक कीमत चुकानी होगी। और इस इस मानसिक रोगी राहुल गांधी का इलाज जल्द जनता करेगी।

उप मुख्यमंत्री साव ने जिला के पंचायतों के लिए 60 लाख 70 हजार रुपये एवं नगरीय निकायों के लिए 3 करोड़ रुपये स्वीकृत करने की घोषणा

बेमेतरा। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री अरुण साव जिला बेमेतरा के बेरला ब्लॉक के ग्राम पंचायत आनंदगांव में आयोजित जन समस्या निवारण शिविर में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने आम नागरिकों एवं ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं, मांगों एवं शिकायतों को गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुना। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण करते हुए उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्राप्त आवेदनों का समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि जनता को अपने जायज कार्यों के लिए सरकारी कार्यालयों के चक्कर न काटने पड़ें, यह प्रशासन की पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि संवेदनशीलता एवं सुशासन सरकार की कार्यशैली का प्रमुख आधार है तथा आमजनों के हितों की रक्षा के लिए सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। शिविर में बड़ी संख्या में पहुंचे नागरिकों ने राजस्व, पेयजल, सड़क, बिजली तथा विभिन्न हितग्राही मूलक योजनाओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। उप मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि हर आवेदन को गंभीरता से लेते हुए त्वरित निराकरण किया जाए।

गरीब, किसान, महिला और युवाओं के कल्याण के लिए समर्पित है सरकार

शिविर को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि प्रदेश सरकार गरीबों, किसानों, महिलाओं एवं युवाओं के कल्याण के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना ही सरकार का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में देश एवं प्रदेश में चौमुखी विकास हो रहा है। सरकार द्वारा जनता के हित में लगातार बड़े निर्णय लिए जा रहे हैं। उन्होंने महतारी वंदन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और जरूरतमंद परिवारों को सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

सरकार जनता के बीच पहुंचकर समस्याओं का कर रही समाधान

बेमेतरा विधायक दीपेश साहू ने कहा कि सरकार जनता के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं को सुनने और उनका निराकरण करने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है।

योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की जिम्मेदारी : कलेक्टर

कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई ने कहा कि जिला प्रशासन का मुख्य उद्देश्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि शिविर में प्राप्त सभी आवेदनों को ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज कर निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि लापरवाही या ढीला-ढाला रवैया बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा आम नागरिकों की समस्याओं को पूरी संवेदनशीलता के साथ प्राथमिकता से हल किया जाए।

बीज पुंसवन अभियान का किया शुभारंभ

उप मुख्यमंत्री साव ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक अभिनव पहल करते हुए बीज पुंसवन अभियान का शुभारंभ किया। इस विशेष बीज पुंसवन को मिट्टी, गोबर एवं गोमूत्र के मिश्रण से तैयार किया गया है, जिसके भीतर बीज रखा गया है। बरसात के मौसम में इसे लगाने पर पौधा अंकुरित होगा। इस पहल से व्यापक स्तर पर पौधारोपण को बढ़ावा मिलेगा। इस अवसर पर कलेक्टर सु प्रतिष्ठा ममगाई, एसएसपी रामकृष्ण साहू, छत्तीसगढ़ विकास बोर्ड अध्यक्ष प्रहलाद रजक, जिला पंचायत अध्यक्ष कल्पना योगेश तिवारी, राजेन्द्र शर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

हितग्राहियों को योजनाओं से लाभान्वित किया गया

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने शिविर में विभिन्न विभागीय योजनाओं के अंतर्गत हितग्राहियों को लाभान्वित किया। महिला एवं बाल विकास विभाग अंतर्गत नोनी सुरक्षा योजना के तहत 5 बालिकाओं को पंजीयन पत्र प्रदान किए गए। इसके अलावा 8 गर्भवती माताओं की गोदभराई तथा 5 बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार कराया गया। टीबी उन्मूलन अभियान के अंतर्गत 3 हितग्राहियों को सुपोषण किट वितरित की गई तथा प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत आवास पूर्ण होने पर 5 हितग्राहियों को उनके नए घरों की चाबियां सौंपी गई।

18.65 करोड़ रुपये के कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन

उप मुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री अरुण साव ने अपने एक दिवसीय बेमेतरा प्रवास के दौरान गोधारा क्षेत्र में विभिन्न विभागों के अंतर्गत कुल 18 करोड़ 65 लाख 07 हजार रुपये की लागत के 12 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग अंतर्गत 46.22 लाख रुपये की लागत से निर्मित 3 विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया। वहीं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अंतर्गत 12 करोड़ 87 लाख 80 हजार रुपये की लागत से निर्मित एक कार्य का लोकार्पण किया गया। इसी प्रकार जनपद पंचायत बेरला अंतर्गत 4 करोड़ 53 लाख 54 हजार रुपये की लागत से 4 कार्यों का भूमिपूजन तथा 77.51 लाख रुपये की लागत से 4 कार्यों का लोकार्पण किया गया। इस प्रकार कुल 7 कार्यों का भूमिपूजन एवं 5 कार्यों का लोकार्पण किया गया। इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से क्षेत्र में पेयजल, आधारभूत संरचना एवं ग्रामीण विकास से जुड़ी सुविधाओं का विस्तार होगा तथा आम नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकायों के लिए बड़ी सौगात

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों एवं विधायक दीपेश साहू की मांग पर विभिन्न विकास कार्यों हेतु राशि स्वीकृत करने की घोषणा की। उन्होंने जामगांव एवं लावातरा में सीसी रोड निर्माण के लिए 10-10 लाख रुपये स्वीकृत किए। इसके अतिरिक्त ग्राम चेट में सीसी रोड निर्माण हेतु 5 लाख रुपये, बारगांव में सीसी रोड निर्माण हेतु 5 लाख रुपये, बारगांव में मुक्ति धाम निर्माण हेतु 6.25 लाख रुपये, सुरहोली में व्यवसायिक परिसर निर्माण हेतु 4.95 लाख रुपये तथा जमघट में सीसी रोड निर्माण हेतु 5 लाख रुपये स्वीकृत करने की घोषणा की। इसके साथ ही उप मुख्यमंत्री साव ने नगरीय निकाय भिभौरी, बेरला एवं कुसमी में विकास कार्यों के लिए 1-1 करोड़ रुपये स्वीकृत करने की घोषणा की। इन घोषणाओं से क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं के विकास को नई गति मिलेगी तथा ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में जनसुविधाओं का विस्तार होगा।

पौधारोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने हाई स्कूल उपकेंद्र परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि बढ़ते ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन के दौर में पौधारोपण अत्यंत आवश्यक है तथा यह आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए भी जरूरी है। उन्होंने नागरिकों से पौधारोपण अभियान में स ि य भागीदारी निभाने की अपील की।

क्रेशर प्लांट में युवक की मौत, सुरक्षा नियमों और वैध संचालन पर उठे गंभीर सवाल

कवर्धा। थाना लोहारा क्षेत्र अंतर्गत स्थित क्रेशर प्लांट परिसर में युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई है। मृतक की पहचान दीपक तिवारी पिता रेवती रमन तिवारी उम्र लगभग 25 वर्ष निवासी गौरमाटी, हाल मुकाम शांति नगर लोहारा के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि युवक 21 मई 2026 की रात्रि से लापता था, जिसके बाद 22 मई 2026 को थाना लोहारा में गुम इंसान दर्ज कराया गया था। 23 मई 2026 को उसका शव बाइक सहित क्रेशर प्लांट परिसर में बरामद हुआ। पुलिस ने प्रथम दृष्टया घटना को दुर्घटनावश गिरने का मामला बताया है, वहीं मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गई है। घटना ने केवल एक मौत का मामला नहीं, बल्कि क्रेशर प्लांटों में सुरक्षा व्यवस्था, श्रम सुरक्षा कानूनों के पालन और संचालन की वैधता पर भी बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। जिस स्थान पर युवक का शव मिला, वहां पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम थे या नहीं, यह अब जांच का अहम विषय बन गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अधिकांश क्रेशर प्लांटों में सुरक्षा मानकों की खुलेआम अनदेखी की जाती है। खतरनाक मशीनों, गहरे गड्ढों, भारी वाहनों और अंधेरे क्षेत्रों के बावजूद न तो चेतावनी बोर्ड लगाए जाते हैं और न ही सुरक्षा घेराबंदी की जाती है। सबसे बड़ा मुद्दा संबंधित क्रेशर प्लांट के वैध संचालन को लेकर भी सामने आ रहा है। क्या प्लांट के पास पर्यावरण विभाग, खनिज विभाग, ग्राम पंचायत और प्रशासन की सभी आवश्यक अनुमति मौजूद है। क्या श्रम विभाग और औद्योगिक सुरक्षा मानकों का पालन किया जा रहा था। यदि सुरक्षा इंतजाम मजबूत होते तो संभवतः यह हादसा टाला जा सकता था। अब इन सभी पहलुओं की जांच जरूरी मानी जा रही है। क्षेत्र में संचालित कई क्रेशर प्लांटों पर पहले भी नियमों की अनदेखी, धूल प्रदूषण, अवैध उत्खनन और असुरक्षित संचालन को लेकर शिकायतें उठती रही हैं, लेकिन कार्रवाई अक्सर कागजों तक सीमित नजर आई। यही वजह है कि एक बार फिर प्रशासनिक निगरानी और जिम्मेदार विभागों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। सुरक्षा ऑडिट, प्रकाश व्यवस्था, सीसीटीवी निगरानी और रात्रिकालीन सुरक्षा व्यवस्था जैसे विषय अब जांच के केंद्र में हैं। थाना लोहारा पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद मौत के वास्तविक कारण स्पष्ट होने की बात कही जा रही है। वहीं स्थानीय लोगों की मांग है कि मामले को केवल दुर्घटना मानकर सीमित न किया जाए, बल्कि क्रेशर प्लांट के संचालन, सुरक्षा व्यवस्था, कर्मचारियों से पूछताछ और वैध अनुमति सहित हर पहलू की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदारों पर कार्रवाई की जाए। दीपक तिवारी की मौत ने एक बार फिर यह उजागर कर दिया है कि जिले में कई औद्योगिक इकाइयों में सुरक्षा नियमों की अनदेखी किस हद तक जारी है और इसका खामियाजा आम लोगों को अपनी जान गंवाकर भुगतना पड़ रहा है।

संक्षिप्त समाचार

कबाड़ कारोबारियों पर पुलिस का बड़ा शिकंजा, 40 गोदाम सील

बिलासपुर। जिले में अवैध कबाड़ कारोबार के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए कबाड़ कारोबारियों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। एसएसपी के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत जिलेभर में ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए अब तक 40 कबाड़ गोदामों को सील किया गया है। पुलिस द्वारा 49 कबाड़ियों की जांच की गई, जिनमें कई कारोबार संदिग्ध पाए गए। कार्रवाई के दौरान मस्तूरी क्षेत्र में कबाड़ से भरी एक गाड़ी भी जप्त की गई, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। इस अभियान के तहत 18 कबाड़ियों को पुलिस हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस को आशंका है कि कई कबाड़ी चोरी का सामान खरीदने और बेचने के नेटवर्क से जुड़े हो सकते हैं। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक चोरी के माल की खरीद-फरोख्त करने वालों पर कड़ी नजर रखी जा रही है और जांच के आधार पर आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। बिलासपुर पुलिस का यह अभियान लगातार जारी है, जिससे अवैध कारोबारियों में डर का माहौल बना हुआ है।

मेड़पार बाजार में कच्ची महुआ शराब पर पुलिस का छापा, आरोपी जेल भेजा गया

बिलासपुर। हिर्री थाना क्षेत्र में अवैध महुआ शराब के कारोबार पर पुलिस ने ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को रंगे हाथ दबोच लिया। मेड़पार बाजार में घर के पास छिपाकर रखी गई हाथ भट्ठी की कच्ची महुआ शराब बरामद होने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। मुखबिर की सटीक सूचना पर हिर्री पुलिस ने शुक्रवार सुबह करीब 9:30 बजे दबिश दी और आरोपी कैलाश प्रजापति पिता स्वर्गीय बहोरन प्रजापति उम्र 28 वर्ष निवासी ग्राम मेड़पार-बाजार थाना हिर्री जिला बिलासपुर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस को आरोपी के कब्जे से पीले रंग के 10 लीटर वाले प्लास्टिक डिब्बे में भरी 9 लीटर हाथ भट्ठी की बनी कच्ची महुआ शराब मिली, जिसकी कीमत करीब 1800 रुपये बताई गई है। कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बिलासपुर रजनेश सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण मधुलिका सिंह और नगर पुलिस अधीक्षक चकरभाठा डी.आर. टंडन के दिशा-निर्देश पर थाना प्रभारी हिर्री के नेतृत्व में गठित टीम ने की। पुलिस को सूचना मिली थी कि आरोपी अपने घर के पास भारी मात्रा में अवैध शराब रखकर बिक्री की तैयारी में है। सूचना मिलते ही टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ लिया। मामले में अपराध क्रमांक 120/2026 दर्ज कर आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट की धारा 34(2) के तहत कार्रवाई की गई और उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। पुलिस का कहना है कि अवैध शराब कारोबार के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और ऐसे कारोबारियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। बहरहाल, हिर्री पुलिस की इस कार्रवाई ने साफ कर दिया है कि गांवों में फैल रहे अवैध नशे के कारोबार पर अब पुलिस की नजर बेहद सख्त हो चुकी है।

इंस्टाग्राम पर प्यार, होटल में दुष्कर्मः शादी का झांसा देकर युवती से हैवानियत, आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर। इंस्टाग्राम पर शुरू हुई दोस्ती ने जब भरोसे का रूप लिया तो युवती को अंदाजा भी नहीं था कि प्यार और शादी के सपनों के पीछे दरिंदगी छिपी बैठी है। बिलासपुर के तोरवा थाना क्षेत्र में सोशल मीडिया के जरिए युवती को प्रेमजाल में फंसाकर होटल ले जाकर दुष्कर्म करने वाले आरोपी को पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार कर लिया है। मामला अपराध क्रमांक 265/2026 धारा 69 बीएनएस के तहत दर्ज किया गया है। पुलिस के मुताबिक पीड़िता ने 22 मई 2026 को थाना तोरवा पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई कि उसकी पहचान इंस्टाग्राम के माध्यम से आरोपी निलेश कुमार जायसवाल से हुई थी। लगातार चैटिंग और बातचीत के बाद आरोपी ने युवती का भरोसा जीत लिया और नजदीकियां बढ़ाईं। आरोपी ने अपना जन्मदिन मनाने का बहाना बनाकर युवती को तोरवा क्षेत्र स्थित एक होटल में बुलाया, जहां शादी करने का झांसा देकर उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाया। घटना के बाद पीड़िता ने हिम्मत जुटाकर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। महिला संबंधी अपराध को गंभीरता से लेते हुए थाना प्रभारी ने तत्काल विशेष टीम गठित की और आरोपी की तलाश शुरू कर दी। पुलिस टीम ने तकनीकी जानकारी और पतासाजी के आधार पर आरोपी निलेश कुमार जायसवाल पिता हरिराम जायसवाल उम्र 19 वर्ष निवासी ग्राम जरेली थाना तखतपुर जिला बिलासपुर को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को 23 मई 2026 को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। फिलहाल यह मामला एक बार फिर सोशल मीडिया पर बन रहे रिश्तों को लेकर बड़ा सवाल खड़ा कर रहा है कि आभासी दुनिया में भरोसा करने से पहले सतर्क रहना कितना जरूरी है।

संग्रहालय के अभाव में जर्जर हो रहीं प्राचीन प्रतिमाएं

टूटी सड़कों और गंदगी के बीच कराह रही ऐतिहासिक नगरी

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और धार्मिक अस्मिता का गौरव मानी जाने वाली धर्मनगरी मल्हार आज प्रशासनिक उपेक्षा, राजनीतिक उदासीनता और विकास के खोखले दावों के बीच अपनी पहचान बचाने के लिए संघर्ष कर रही है। एक ओर हजारों वर्ष पुरानी दुर्लभ प्रतिमाएं और पुरातात्विक धरोहरें खुले आसमान के नीचे धीरे-धीरे क्षरण का शिकार हो रही हैं, तो दूसरी ओर नगर की जनता टूटी सड़कों, गंदगी, जलभराव और मूलभूत सुविधाओं के अभाव में नारकीय जीवन जीने को मजबूर है। अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस के अवसर पर जब पूरी दुनिया अपनी सांस्कृतिक धरोहरों को संरक्षित करने की बातें कर रही थी, तब मल्हार की प्राचीन प्रतिमाएं मानो शासन और प्रशासन से यह सवाल पूछती नजर आईं कि आखिर उन्हें संरक्षण का अधिकार कब मिलेगा? विडंबना यह है कि दक्षिण कोसल की ऐतिहासिक राजधानी मानी जाने वाली यह नगरी आज स्वयं अपने अस्तित्व और सम्मान के लिए जूझ रही है।मल्हार केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि भारतीय इतिहास, संस्कृति और पुरातत्व का जीवंत दस्तावेज है। यहां की धरती से प्राप्त हरिहर विष्णु की दुर्लभ प्रतिमा को देश की प्राचीनतम मूर्तियों में गिना जाता है। देउर मंदिर, पातालेश्वर मंदिर, डिडनेश्वरी मंदिर और अनेक पुरास्थलों में बिखरी प्रतिमाएं भारतीय स्थापत्य और मूर्तिकला की अद्भुत विरासत को दर्शाती हैं। वर्ष 1975 से 1978 के बीच हुए व्यापक उत्खनन में यहां से अनेक महत्वपूर्ण पुरावशेष प्राप्त हुए थे। उस समय उम्मीद जगी थी कि मल्हार को राष्ट्रीय स्तर के संग्रहालय और शोध केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा, लेकिन दशकों बाद भी यह सपना केवल फाइलों और घोषणाओं तक सीमित है। आज स्थिति यह है कि बहुमूल्य प्रतिमाएं खुले मैदानों, मंदिर परिसरों और असुरक्षित स्थलों पर पड़ी हैं। धूप, बारिश, धूल और प्राकृतिक क्षरण ने इन अमूल्य धरोहरों की

चमक फीकी कर दी है। कई प्रतिमाओं की आकृतियां धुंधली पड़ चुकी हैं, तो कई टूट-फूट का शिकार हो रही हैं। संरक्षण के अभाव में इतिहास की यह अनमोल धरोहर धीरे-धीरे मिटती जा रही है। यदि समय रहते वैज्ञानिक संरक्षण और संग्रहालय निर्माण की दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाली पीढ़ियां केवल पुस्तकों और तस्वीरों में ही मल्हार के गौरवशाली इतिहास को देख पाएंगी। लेकिन विडंबना केवल धरोहरों तक सीमित नहीं है। नगर पंचायत मल्हार की वर्तमान स्थिति स्वयं प्रशासनिक विफलता की कहानी बयां कर रही है। नगर की मुख्य सड़कें जगह-जगह से उखड़ चुकी हैं। गहरे गड्ढों और कीचड़ से लोगों का पैदल चलना तक मुश्किल हो गया है। मंदिरों तक पहुंचने वाले मार्ग बदहाल हैं, जिससे श्रद्धालुओं और पर्यटकों को भारी परेशानी उठानी पड़ती है। विकास के बड़े-बड़े दावे करने वाले जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की संवेदनहीनता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि ऐतिहासिक नगर की मूलभूत सुविधाएं तक बदहाल पड़ी हैं। नगर में सफाई व्यवस्था लगभग चरमराई हुई दिखाई देती है। नालियां जाम हैं, जगह-जगह गंदगी फैली हुई है और जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने से बारिश से पहले ही हालात भयावह हो चुके हैं। ऐतिहासिक तालाबों और जलाशयों में प्लास्टिक, कचरा और जलकुंभी फैल चुकी है, जिससे न केवल पर्यावरण प्रभावित हो रहा है बल्कि नगर की ऐतिहासिक सुंदरता भी समाप्त होती जा रही है। सबसे गंभीर चिंता का विषय यह है कि जिन स्थलों पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक पहुंचते हैं, वहां भी सुरक्षा और प्रकाश व्यवस्था का अभाव है। शाम ढलते ही पातालेश्वर मंदिर और अन्य पुरास्थलों के आसपास अंधेरा छा जाता है। पर्याप्त रोशनी नहीं होने से असामाजिक तत्वों की गतिविधियां बढ़ रही हैं।

बिलासपुर में स्कूल की मनमानी पर प्रशासन सख्त,कैंपस में चल रही यूनिफॉर्म दुकान सील

बिलासपुर । बिलासपुर में निजी स्कूलों की मनमानी के खिलाफजिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। सेंट जेवियर्स स्कूल में अभिभावकों से यूनिफॉर्म और कॉपी-किताबें एक तय दुकान से खरीदने का दबाव बनाने की शिकायतों के बाद प्रशासनिक टीम ने स्कूल परिसर में छापेमारी की।

जांच के दौरान स्कूल कैंपस के भीतर नियमों के खिलाफ दुकान संचालित होती मिली, जिस पर तत्काल कार्रवाई करते हुए दुकान बंद करा दी गई। वीडियो सामने आने के बाद हरकत में आया प्रशासन- मामले ने उस समय तूल पकड़ा जब स्कूल परिसर में ड्रेस और अन्य सामग्री की ओवररेटिंग का वीडियो सामने आया। वीडियो वायरल होने के बाद कलेक्टर संजय अग्रवाल के निर्देश पर जिला शिक्षा अधिकारी विजय कुमार टांडे के नेतृत्व में टीम ने स्कूल पहुंचकर जांच की। जांच में पाया गया कि स्कूल परिसर के भीतर व्यावसायिक गतिविधियां चलाई जा रही थीं और अभिभावकों को वहीं से सामान खरीदने के लिए मजबूर किया जा रहा था। नियमों के उल्लंघन पर नोटिस जारी- जांच के दौरान दुकान में मौजूद महिला द्वारा तय कीमत से ज्यादा दर पर ड्रेस बेचे जाने की बात भी सामने आई। प्रशासन ने मौके पर ही दुकान बंद करवाकर स्कूल प्रबंधन को नोटिस जारी किया है। अधिकारियों का कहना है कि मामले की विस्तृत जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। शिक्षा के नाम पर मोनोपॉली बर्दाश्त नहीं कलेक्टर – कलेक्टर संजय अग्रवाल ने साफ कहा है कि किसी भी स्कूल को कैंपस के भीतर किताब, कॉपी या यूनिफॉर्म बेचने की अनुमति नहीं है। शासन के नियमों के मुताबिक अभिभावकों को किसी एक दुकान से सामान खरीदने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि शिक्षा के नाम पर आर्थिक दबाव या मोनोपॉली को किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

हत्या-लूट से साइबर क्राइम तक,गौरेला-पेण्ड्रा मरवाही में अब मौके पर होगी वैज्ञानिक जांच

गौरेला। हत्या, लूट, सड़क हादसे और साइबर क्राइम की गुत्थियां अब लैब पहुंचने का इंतजार नहीं करेंगी, जीपीएम पुलिस को मिली 65 लाख रुपये की अत्याधुनिक मोबाइल फॉरेंसिक वैन ने अपराध जांच की तस्वीर बदल दी है। जिला गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय के तत्वावधान में इस हाईटेक मोबाइल फॉरेंसिक वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया, जिसके बाद अब घटनास्थल पर ही वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाने, प्रारंभिक जांच करने और अपराधियों तक तेजी से पहुंचने का रास्ता आसान हो गया है। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा अपराध अनुसंधान को आधुनिक तकनीक से मजबूत करने के उद्देश्य से जिले को यह अत्याधुनिक सुविधा उपलब्ध कराई गई है। करीब 65 लाख रुपये की लागत से तैयार इस मोबाइल फॉरेंसिक वैन में फिंगरप्रिंट जांच, रक्त नमूना परीक्षण, डिजिटल साक्ष्य संकलन, हाईटेक फोटोग्राफी, जैविक नमूना संरक्षण और प्रारंभिक विश्लेषण के आधुनिक उपकरण लगाए गए हैं। सर्किट हाउस जीपीएम में आयोजित विशेष कार्यशाला में पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को घटनास्थल पर वैज्ञानिक तरीके से साक्ष्य जुटाने, उन्हें सुरक्षित रखने और न्यायालय में उनकी वैधानिकता बनाए रखने का प्रशिक्षण भी दिया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर डॉ. संतोष देवांगन, जेएमएफसी पेंड्रारोड सु सीमा जगदल्ला, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अविनाश, जनप्रतिनिधि, अधिवक्ता और पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। विशेषज्ञों ने बताया कि घटनास्थल पर छोटी सी लापरवाही भी बड़े साक्ष्य खत्म कर सकती है, इसलिए वैज्ञानिक जांच बेहद जरूरी है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक यह वैन हत्या, चोरी, डकैती, सड़क दुर्घटना और साइबर अपराध जैसे गंभीर मामलों में बड़ी भूमिका निभाएगी। अब पुलिस मौके पर ही साक्ष्य सुरक्षित कर तेज और मजबूत विवेचना कर सकेगी। फिलहाल, जीपीएम पुलिस की यह नई वैज्ञानिक ताकत अपराधियों के लिए खतरे की घंटी और न्याय व्यवस्था के लिए बड़ी उम्मीद बनकर सामने आई है।

कलेक्टर रेना जमील ने रामानुजनगर विकासखंड का किया निरीक्षण

सूरजपुर। कलेक्टर रेना जमील ने आज जिले के रामानुजनगर विकासखंड का दौरा कर विभिन्न निर्माणाधीन एवं शासकीय संस्थानों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर ने रामानुजनगर स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कृष्णपुर परिसर में लोक निर्माण विभाग (पीडब्लूडी) द्वारा निर्माणाधीन नवीन भवन का निरीक्षण किया। भवन निर्माण कार्य में अपेक्षित प्रगति नहीं पाए जाने पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त करते हुए तय समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही विद्यालय में विद्यार्थियों की संख्या के अनुरूप पर्याप्त शौचालय निर्माण कराने के निर्देश भी दिए। उन्होंने रामानुजनगर एसडीओ आरईएस श्रीमती मीनू मंडल को निर्माण कार्यों का नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए। इसके पश्चात कलेक्टर ने आयुष्मान आरोग्य मंदिर देवनगर का निरीक्षण किया। इस दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएलएचओ) केडी पैकरा ने अस्पताल की व्यवस्थाओं की जानकारी दी। कलेक्टर ने आयुष्मान कार्ड की प्रगति एवं ब्लॉकिंग संबंधी जानकारी ली तथा चिकित्सकों की उपलब्धता, पुरुष एवं महिला वार्डों का निरीक्षण कर मरीजों से अस्पताल में मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य के लिए संतुलित एवं पौष्टिक आहार लेने की सलाह दी।

ट्रेनों, स्टेशनों एवं यार्डों में विशेष निगरानी.... ज्वलनशील सामग्री एवं धूम्रपान पर कार्रवाई

बिलासपुर। गर्मी के मौसम में आगजनी की संभावित घटनाओं की रोकथाम को ध्यान में रखते हुए रेलवे सुरक्षा बल, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा यात्री ट्रेनों, स्टेशनों तथा यार्डों में विशेष फायर सेफ्टी ड्राइव चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत यात्री गाड़ियों, यार्डों में खड़ी स्टेबल रैक/कोचों तथा रेलवे परिसरों में व्यापक स्तर पर सघन जांच एवं निगरानी की जा रही है। अभियान के अंतर्गत पेन्ट्रीकार, स्टेबल रैक, पार्सल कार्यालयों एवं स्टेशन पार्किंग क्षेत्रों में विशेष चेकिंग अभियान को और अधिक प्रभावी बनाया गया है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के तीनों मंडलों में रेलवे सुरक्षा बल के अधिकारियों एवं बल सदस्यों द्वारा नियमित जांच की जा रही है तथा यात्रियों को भी फायर सेफ्टी के प्रति जागरूक किया जा रहा है। मंडल एवं जोनल मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा भी विभिन्न स्टेशनों एवं यार्डों का निरीक्षण कर स्टेबल रैक तथा यार्ड से प्लेटफार्म तक आने वाली ट्रेनों की गहन जांच की जा रही है। इस दौरान फायर सेफ्टी से जुड़े सभी महत्वपूर्ण पहलुओं पर विशेष ध्यान

दिया जा रहा है ताकि किसी भी प्रकार की आगजनी की घटना को रोका जा सके। रेलवे सुरक्षा बल द्वारा चलाए जा रहे इस विशेष अभियान के दौरान ट्रेनों में गैस सिलेंडर, इलेक्ट्रिक हीटर एवं अन्य ज्वलनशील पदार्थों के अवैध परिवहन के मामलों में अब तक 23 व्यक्तियों के विरुद्ध रेलवे अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है, जिनमें 9 पेन्ट्रीकार मैनेजर/स्टाफ भी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त ट्रेनों में धूम्रपान करने वाले 1,099 व्यक्तियों पर भी नियमानुसार कार्रवाई की गई है। रेलवे सुरक्षा बल द्वारा संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर फायर सेफ्टी सुनिश्चित करने हेतु सभी आवश्यक कदम लगातार उठाए जा रहे हैं। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे प्रशासन यात्रियों से अपील करता है कि वे यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की ज्वलनशील सामग्री साथ लेकर यात्रा न करें तथा रेलवे परिसर एवं ट्रेनों में धूम्रपान से बचें, जिससे सुरक्षित एवं संरक्षित रेल यात्रा सुनिश्चित की जा सके।

मरवाही-पेंड्रा के जंगलों में घूम रहे रहस्यमयी दुर्लभ सफेद भालू का आतंक

■ आमाडांड-बसंतपुर क्षेत्र में ग्रामीण पर हमला, गांवों में दहशतज् वन विभाग अलर्ट पर

बिलासपुर। मरवाही वनमंडल के घने जंगलों में इन दिनों एक दुर्लभ सफेद स्लॉथ भालू की मौजूदगी ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। खोडरी रेंज के आमाडांड, बसंतपुर, नकमान और मरवाही-पेंड्रा क्षेत्र तक इस रहस्यमयी भालू की लगातार मूवमेंट देखी जा रही है। कभी जंगलों में तो कभी आबादी के बीच अचानक नजर आ रहे इस सफेद भालू ने ग्रामीणों के बीच भय और कौतूहल दोनों पैदा कर दिया है। स्थिति तब और गंभीर हो गई जब भालू ने एक ग्रामीण पर हमला कर उसे घायल कर दिया। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है, जबकि वन विभाग ने हाई अलर्ट जारी करते हुए लोगों से जंगल की ओर नहीं जाने की अपील की है। बताया जा रहा है कि आमाडांड गांव के कुछ ग्रामीण किसी काम से जंगल की ओर गए थे। इसी दौरान आमाडांड और बसंतपुर के बीच घने जंगल में उनका सामना अचानक सफेद भालू से हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ग्रामीण कुछ समझ पाते उससे पहले ही भालू ने आक्रामक होकर एक अधेड़ ग्रामीण पर हमला कर दिया। हमले में ग्रामीण गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के समय मौजूद अन्य ग्रामीणों ने साहस दिखाते हुए जोर-जोर से शोर मचाया और लाठियां पटकते हुए भालू को जंगल की ओर खदेड़ने में सफलता हासिल की। घायल ग्रामीण को तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।

गांव में घुसा सफेद भालू, तीन घरों तक पहुंचा आतंक

ग्रामीणों के मुताबिक यह दुर्लभ सफेद भालू केवल जंगलों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि आबादी वाले क्षेत्रों में भी घुस आया। बताया जा रहा है कि भालू आमाडांड और बसंतपुर गांव के भीतर पहुंचकर तीन घरों

के आसपास घूमता देखा गया। मंगलवार सुबह करीब पांच बजे वह गांव के मुख्य चौक और बस स्टैंड के आसपास नजर आया, जिससे पूरे गांव में अफरा-तफरी मच गई। इसी दौरान स्कूल के सामने रहने वाले कैलाश कुमार कासीपुरी पर भी भालू ने हमला कर दिया। बताया जा रहा है कि कैलाश सुबह शौच के लिए घर से बाहर निकले थे, तभी अचानक भालू ने उन पर हमला बोल दिया। हमले में उनके बाएं हाथ में गंभीर चोट आई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, भालू ने कई अन्य ग्रामीणों को भी दौड़ाया। लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागते नजर आए। कई परिवारों ने सुबह होते ही अपने बच्चों को घरों से बाहर निकलने नहीं दिया।

सोशल मीडिया में वायरल रहस्यमयी सफेद भालू

इलाके में सफेद भालू दिखाई देने की खबर जंगल की आग की तरह फैल गई। देखते ही देखते आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंचने लगे। कई लोगों ने दूर से अपने मोबाइल कैमरों में भालू का वीडियो रिकॉर्ड कर लिया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में सफेद रंग का विशालकाय भालू जंगल और बस्ती के बीच घूमता दिखाई दे रहा है। स्थानीय लोग इसे बेहद दुर्लभ मान रहे हैं। वन विभाग के अनुसार यह संभवतः रंग परिवर्तन (पिगमेंटेशन की कमी) वाला स्लॉथ बियर हो सकता है।

वन विभाग अलर्ट मोड पर, लगाए जाएंगे ट्रैप कैमरे

घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम, डिप्टी रेंजर और वन अमला मौके पर पहुंच गया। पूरे क्षेत्र में निगरानी बढ़ा दी गई है। वन विभाग अब भालू की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए ट्रैप कैमरे लगाने की तैयारी कर रहा है। मरवाही वनमंडल की डीएफओ ग्रीष्मी चांद ने बताया कि सफेद भालू अनाउंड, नकमान और बसंतपुर क्षेत्र से होते हुए मरवाही वनमंडल के कक्ष क्रमांक 2351 की ओर बढ़ रहा था।

मृतक का बेटा बनकर हड़पी 3.25 हेक्टेयर जमीन,फर्जीवाड़े का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

सूरजपुर। जमीन हड़पने के लिए ऐसा फर्जी खेल खेला गया जिसने राजस्व रिकॉर्ड की विश्वसनीयता पर ही सवाल खड़े कर दिए। मृत व्यक्ति का फर्जी वारिस बनाकर करोड़ों की जमीन अपने नाम कराने वाले आरोपी को आखिरकार चंदौरा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। मामला ग्राम बंशीपुर की 3.25 हेक्टेयर जमीन से जुड़ा है, जहां 75 वर्षीय शिवचरण निवासी ग्राम परमेश्वरपुर ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय में शिकायत देकर आरोप लगाया था कि अशोक सिंह और उसके पिता लक्ष्मण सिंह ने धोखाधड़ी, छल और फर्जी दस्तावेजों के जरिए जमीन पर कब्जा कर लिया है। जांच एसडीओपी प्रतापपुर को सौंपी गई। दस्तावेजों और कथनों की पड़ताल में खुलासा हुआ कि शिवभजन की मौत 20 सितंबर 2014 को हो चुकी थी, लेकिन मौत के दो साल बाद 20 मई 2016 को फर्जी नामांतरण आदेश जारी कराया गया और 27 जून 2016 को पौती नामांतरण में लक्ष्मण सिंह पिता जोखन सिंह का नाम राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज करा दिया गया। जांच में सामने आया कि आरोपी मुआवजा और नौकरी हासिल करने की नीयत से खुद को मृतक का वैध उत्तराधिकारी साबित कर रहे थे। मामले में थाना चंदौरा में अपराध क्रमांक 56/26 के तहत धारा 419, 420, 467, 468, 471, 120(बी), 34 भादंसं के अंतर्गत अपराध दर्ज किया गया।

कब से शुरू हो रहा है नौतपा? इस दौरान क्या करें क्या नहीं

नौतपा के नौ दिन जहां वैज्ञानिक रूप से सूर्य की किरणें सबसे ज्यादा तीखी होती हैं जिसके कारण सबसे ज्यादा गर्मी पड़ती है तो वहीं, दूसरी ओर ज्योतिष शास्त्र में बताया गया है कि सूर्य को प्रसन्न करने के लिए ये नौ दिन सर्वाधिक शुभ हैं।

नौतापा का हिन्दू धर्म में बहुत महत्व माना गया है। नौतपा वो नौ दिन होते हैं जब सूर्य रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करते हैं और उनकी ऊर्जा एवं उनका तेज चरम पर होता है। नौतपा के नौ दिन जहां वैज्ञानिक रूप से सूर्य की किरणें सबसे ज्यादा तीखी होती हैं जिसके कारण सबसे ज्यादा गर्मी पड़ती है तो वहीं, दूसरी ओर ज्योतिष शास्त्र में बताया गया है कि सूर्य को प्रसन्न करने, सूर्य के तेज को अपने व्यक्तित्व में उतारने एवं भाग्योदय के लिए ये नौ दिन सर्वाधिक शुभ हैं। ऐसे में आइये जानते हैं ज्योतिषाचार्य राधाकांत वत्स से कि इस साल कब से शुरू हो रहा है नौतपा और इन नौ दिनों में क्या करना चाहिए क्या नहीं।

नौतपा कब से शुरू है?

सूर्य देव इस वर्ष 25 मई के दिन पर रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करेंगे, जिसके साथ ही नौतपा शुरू हो जाएगा और यह अगले नौ दिनों तक रहेगा। वहीं, सूर्य देव 8 जून, रविवार के दिन को दोपहर 1 बजकर 4 मिनट तक रोहिणी नक्षत्र में विराजमान रहेंगे। इसके बाद, 8 जून को वे मृगशिरा नक्षत्र में प्रवेश करेंगे और फिर 15 जून को मिथुन राशि में गोचर करेंगे।

नौतपा में क्या करें?

नौतपा के नौ दिनों के दौरान सूर्य देव को रोजाना लाल चंदन और गेंदे का एक फूल जल में डालकर अर्घ्य दें। इसके अलावा, इन नौ दिनों में रोजाना आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ करें। नौतपा के दौरान जल, वस्त्र, भोजन आदि का दान अवश्य करें। हवा का दान कूलर या फिर ऐसी के रूप में भी कर सकते हैं। नौतपा के नौ दिन धार्मिक कार्यों में लीन रहना चाहिए। इससे शुभता घर में बनी रहती है।

नौतपा में क्या न करें?

नौतपा के नौ दिन भूल से भी बुरे विचारों एवं बुरे कार्यों में नहीं पड़ना चाहिए नहीं तो इससे सूर्य कुंडली में कमजोर होते हैं। सूर्य से जुड़ी वस्तुओं जैसे कि लाल रंग के वस्त्र, गेहूं, गुड़, सोना, माणिक्य, घी, केसर, तांबा आदि का दुप्रयोग न करें, नहीं तो इससे भयंकर सूर्य दोष लग सकता है। नौतपा के नौ दिनों तक ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए और बिस्तर के बजाय जमीन पर सोना चाहिए।

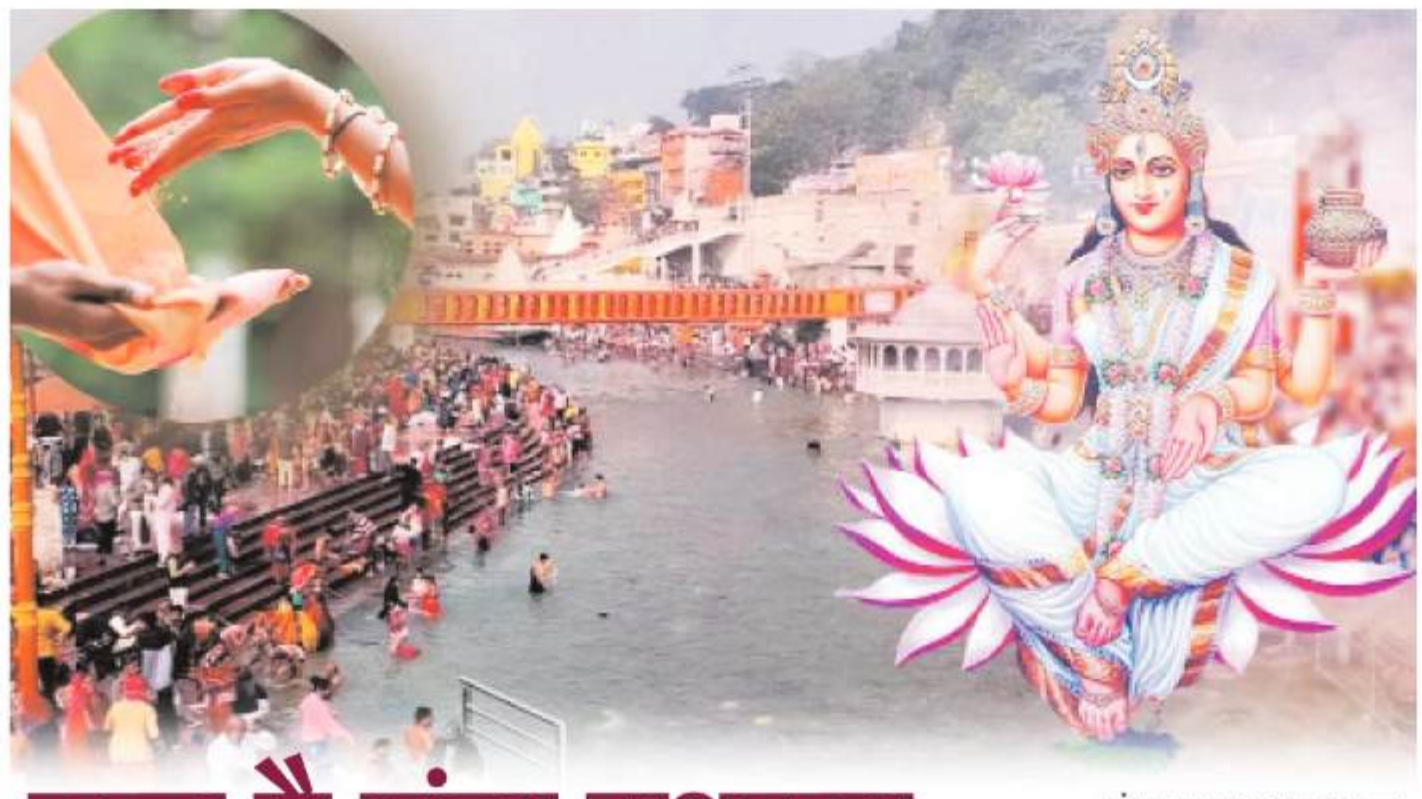

कब है गंगा दशहरा
शुभ मुहूर्त और पूजा विधि

हिन्दू पंचांग के अनुसार, प्रति वर्ष ज्येष्ठ माह की शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को गंगा दशहरा पर्व मनाया जाता है। इस बार यह तिथि 25 मई, सोमवार को मनाई जा रही है। आइए जानते हैं गंगा दशहरा क्यों खास हैं, जानिए इस पर्व का महत्व।

ज्येष्ठ माह में आने वाले सभी त्योहारों का विशेष महत्व है। इस माह में वट सावित्री व्रत, शनि जयंती, अपरा एकादशी जैसे बड़े पर्व आते हैं। इन्हीं में से एक है गंगा दशहरा! ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि के दिन गंगा दशहरा मनाया जाता है। हिंदू धर्म में इस तिथि को बेहद ही शुभ माना जाता है। इस दिन गंगा नदी की विधि-विधान से पूजा अर्चना की जाती है। साथ ही दान जैसे पुण्य कार्य करते हुए गंगा में स्नान किया जाता है।
धार्मिक मान्यताओं के अनुसार गंगा में डुबकी लगाने से व्यक्ति के सभी पाप धुल जाते हैं। यही नहीं उसे सुख-समृद्धि का आशीर्वाद भी प्राप्त होता है। शास्त्रों में गंगा माता को मोक्षदायिनी भी कहा गया है। ये भी माना जाता है कि गंगा नदी शिव जी की जटाओं से निकलती हैं, इसलिए इस दिन शिव जी की भी पूजा करनी चाहिए। इससे विशेष लाभ की प्राप्ति होती है।

गंगा दशहरा की पूजा विधि

- गंगा दशहरा पर ब्रह्म मुहूर्त में गंगा स्नान करें।
- इसके बाद साफ वस्त्रों का धारण करके सूर्यदेव को अर्घ्य दें।
- इस शुभ दिन पर गंगा मां के साथ-साथ शिव जी की पूजा करने का भी विधान है।
- इस दौरान गंगा स्त्रोत का पाठ करने से व्यक्ति को शुभ फलों की प्राप्ति होती है।
- पूजा के बाद आप जरूरतमंद लोगों को दान कर सकते हैं।

गंगा स्नान से ये पाप होते हैं नष्ट

गंगा स्नान करने से सुख-समृद्धि का आशीर्वाद मिलता है। माना जाता है कि इस दिन गंगा स्नान करने से 10 पाप नष्ट हो जाते हैं। इनमें निषिद्ध हिंसा, परस्त्री गमन, बिना दी हुई वस्तु को लेना, कठोर वाणी, दूसरे के धन को लेने का विचार, दूसरों का बुरा करना, व्यर्थ की बातों में दुराग्रह, झूठ बोलना, चुगली करना, दूसरों का अहित करना शामिल है।

गंगा दशहरा का महत्व

धार्मिक मान्यता के अनुसार, गंगा मां की आराधना करने से व्यक्ति को दस प्रकार के पापों से मुक्ति मिलती है। गंगा ध्यान एवं स्नान से प्राणी काम, क्रोध, लोभ, मोह, मत्सर, ईर्ष्या, ब्रह्महत्या, छल, कपट, परनिंदा जैसे पापों से मुक्त हो जाता है। गंगा दशहरा के दिन भक्तों को मां गंगा की पूजा-अर्चना के साथ दान-पुण्य भी करना चाहिए। गंगा दशहरा के दिन सत्तू, मटका और हाथ का पंखा दान करने से दोगुना फल की प्राप्ति होती है।

- गंगा दशहरा पर्व सनातन संस्कृति का एक पवित्र त्योहार है।
- धार्मिक मान्यता के अनुसार कहा जाता है कि इस दिन मां गंगा का धरती पर अवतरण हुआ था।
- गंगा दशहरा के दिन पवित्र नदी गंगा में स्नान करने से मनुष्य अपने पापों से मुक्त हो जाता है।
- गंगा, नदी स्नान के साथ-साथ इस दिन दान-पुण्य करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस दिन सत्तू, मटका और हाथ का पंखा दान करने की मान्यता है।
- मंत्र- नमो भगवते दशपापहराये गंगाये नारायण्ये रेवत्ये शिवाये दक्षाये अमृताये विश्वरुपिण्ये नंदिन्ये ते नमो नमः
- गंगा दशहरा के दिन अपने पितृ को याद करके उन्हें जल अर्पण करना चाहिए।
- शास्त्रों के अनुसार गंगा दशहरा के दिन गंगा स्नान के बाद सूर्यदेवता को जल अरघ्य देना चाहिए, तत्पश्चात दान अवश्य करना चाहिए।
- देवी भागवत के अनुसार शतशः योजन दूर बैठा मनुष्य भी यदि गंगा के नाम का उच्चारण करता है, तो वह पापों से मुक्त होकर भगवान श्रीहरि के धाम को प्राप्त करता है।
- गंगा भगवान विष्णु का स्वरूप है। इसका प्रादुर्भाव भगवान के श्रीचरणों से ही हुआ है। तभी तो गंगा (मां) के दर्शनों से आत्मा प्रफुल्लित तथा विकासोन्मुखी होती है।
- यदि कोई भी श्रद्धालु स्नान से पहले गंगा का आवाहन करता है और नदी में डुबकी लगाने से पहले उसी में गंगा की उपस्थिति की अनुभूति करता है।

गंगा दशहरा पर दान

गंगा दशहरा के दिन दान का विशेष महत्व बताया गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस पावन अवसर पर जल, अन्न, फल, वस्त्र और पूजा सामग्री का दान करना अत्यंत शुभ माना जाता है। इसके साथ ही घी, नमक, तेल, शक्कर और स्वर्ण जैसी वस्तुओं का दान करने की भी परंपरा है। ऐसा माना जाता है कि इस दिन श्रद्धा और क्षमता के अनुसार किया गया दान पुण्य फल को बढ़ाता है और जीवन में सुख-समृद्धि लाता है।

दशविध स्नान क्या है? गंगा दशहरे के दिन घर पर कैसे कर सकते हैं 10 तरह के स्नान

प्रतिवर्ष ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को 'गंगा दशहरा' का पर्व मनाया जाता है। शास्त्रानुसार इस दिन मां गंगा का स्वर्ग से धरती पर आगमन हुआ था।

गंगा-दशहरे के दिन जो व्यक्ति मां गंगा की आराधना करता है, उनकी धूप, दीप, नैवेद्य आदि से षोडशोपचार पूजन कर उपवास करता है, वह कायिक-वाचिक-मानसिक त्रिविध पापों से मुक्त हो जाता है। 'गंगा-दशहरे' के दिन 'दशविध-स्नान' का बहुत महत्व होता है। इस दिन 'दशविध-स्नान' करने वाले साधक को अश्वमेध यज्ञ का फल प्राप्त होता है। दशविध-स्नान से आशय शास्त्र द्वारा वर्णित दस प्रकार के स्नान से है। गंगा दशहरे के दिन करें यह दशविध स्नान-
1.गोमूत्र से स्नान 2.गोमय से स्नान 3.गौदुग्ध से स्नान 4.गौदधि से स्नान 5.गौघृत से स्नान 6.कुशोदक से स्नान 7.भस्म से स्नान 8.मृत्तिका (मिट्टी) से स्नान 9.मधु (शहद) से स्नान 10.पवित्र जल से स्नान
उपर्युक्त वर्णित वस्तुओं से अपनी सामरथ्य के अनुसार लेपन व तिलक कर स्नान करने से 'दशविध-स्नान' की पूर्णता होती है।

विष्णु जी की कृपा पाने के लिए अधिक मास के महीने में जरूर दान करें ये 3 खास चीजें

अधिक मास में कई सारे कार्य ऐसे होते हैं, जिन्हें करने की मनाही होती है। ऐसे में आप दान जैसे शुभ कार्यों को कर सकती हैं। इससे आपके ऊपर भगवान विष्णु की कृपा बनी रहेगी। साथ ही आपके कार्य भी पूरे होंगे।

अधिक मास का महीना हिंदू धर्म में खास होता है। ऐसा कहा जाता है कि अगर इसमें पूजा-पाठ से जुड़े कार्य किए जाते हैं, तो इससे भगवान विष्णु प्रसन्न होते हैं और आशीर्वाद देते हैं। ऐसे में आप भी दान जैसे शुभ कार्य को कर सकती हैं और भगवान को प्रसन्न कर सकती हैं। इस महीने में 3 ऐसी चीजें हैं, जिसका दान करना सबसे ज्यादा शुभ माना जाता है।

पीले रंग के वस्त्र

भगवान विष्णु को पीला रंग बेहद प्रिय होता है, और यह रंग देवगुरु बृहस्पति का भी प्रतीक है। अधिक मास में पीले रंग की वस्तुओं का दान करने से कुंडली में गुरु ग्रह मजबूत होता है, जिससे विवाह, करियर और शिक्षा में आ रही बाधाएं दूर होती हैं। आप इसे जरूर दान करें। इसके लिए आप किसी पुजारी को यह सामान दे सकती है या जरूरतमंद को पीले वस्त्र दे सकती हैं, ताकि इससे आपके जीवन में भगवान का आशीर्वाद बना रहे। इससे आपके मान सम्मान में भी वृद्धि होगी।

मौसमी फल का करें दान

गर्मी के मौसम में अधिक मास का महीना आता है। ऐसे में आप मौसमी फल का दान भी कर सकती हैं। इसके लिए आप केला, खरबूजा, आम या तरबूज को दान करें। इससे आपके जीवन में खुशहाली बनी रहेगी। साथ ही आपके सभी कार्य अच्छे से पूरे होंगे। इन फलों को आप किसी जरूरतमंद व्यक्ति को दान करें, ताकि वो इसका सेवन कर सकें।

अधिक मास में करें अनाज का दान

अगर आपके जीवन में रुकावटें आ रही हैं, तो इस महीने में आप अनाज का दान जरूर करें। ऐसा इसलिए क्योंकि अनाज के दान से आपके जीवन की सभी परेशानियां कम होंगी। साथ ही आपके रुके हुए कार्य अच्छे से पूरे हो जाएंगे। अनाज में आप चावल, दाल या गेंहू का दान कर सकती हैं। अधिक मास भगवान विष्णु की साधना का एक अनमोल अवसर है। इस महीने में किए गए ये तीन विशेष दान न केवल आपको मानसिक और आर्थिक कष्टों से मुक्ति दिलाएंगे, बल्कि आपके घर को धन-धान्य से भर देंगे। इस पवित्र महीने का लाभ उठाएं और श्रद्धापूर्वक दान कर भगवान पुरुषोत्तम का आशीर्वाद प्राप्त करें।

25 या 26 मई, कब है गंगा दशहरा? सही तिथि, पूजा का शुभ मुहूर्त और महत्व

सनातन धर्म में माता गंगा के धरती पर आगमन दिवस को गंगा दशहरा के रूप में मनाया जाता है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन किए गए पूजा-पाठ से भक्तों को पुण्य फलों की प्राप्ति होती है। आइए यहां जानें इस साल गंगा दशहरा की सही तिथि और महत्व के साथ पर्व से जुड़ी अन्य बातों के बारे में।

हिंदू धर्म में किसी भी तिथि का विशेष महत्व होता है और इनमें से एक है गंगा दशहरा। सनातन धर्म में इस पर्व को अत्यंत पवित्र माना जाता है और इस दिन भक्त जन श्रद्धा भाव से गंगा नदी में स्नान करके दान-पुण्य करते हैं। ऐसा माना जाता है कि इसी तिथि पर मां गंगा पृथ्वी पर आई थीं। इस कारण से इस दिन को गंगा जयंती के रूप में भी मनाया जाता है। हर साल ज्येष्ठ महीने के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को गंगा दशहरा के रूप में मनाया जाता है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन दान-पुण्य करने से व्यक्ति की सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती है और सभी पापों से मुक्ति मिलती है। गंगा दशहरा के दिन पूजा-पाठ का भी विशेष महत्व और और इस दिन लोग नदियों में दीपदान भी करते हैं। आइए ज्योतिर्विद पंडित रमेश भोजराज द्विवेदी से जानें इस साल गंगा दशहरा कब मनाया जाएगा और इस दिन की पूजा के शुभ मुहूर्त के साथ इस पर्व का महत्व क्या है?

गंगा दशहरा 2026 कब है?

गंगा दशहरा हर साल ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को मनाया जाता है और इस साल यह तिथि 25 मई, सोमवार को पड़ रही है। इसी वजह से इस दिन ही गंगा दशहरा मनाया जाएगा और इसी दिन का पूजन शुभ होगा।

गंगा दशहरा की पूजा का शुभ मुहूर्त

दशमी तिथि आरंभ- 25 मई 2026, सोमवार, प्रातः 04:30 बजे
दशमी तिथि समाप्त- 26 मई 2026, मंगलवार शाम 05:10 बजे
उदयातिथि के अनुसार गंगा दशहरा 25 मई को ही मनाया जाएगा।
गंगा दशहरा पर ब्रह्म मुहूर्त को सबसे पवित्र माना गया है।
ब्रह्म मुहूर्त- 25 मई, 4:40 बजे से 5:23 बजे तक। इस समय स्नान, ध्यान और तप करने का विशेष महत्व बताया जाता है।
सूर्योदय-25 मई, सुबह 6:06 बजे होगा।
अभिजीत मुहूर्त दोपहर 12:17 बजे से शुरू होकर 1:10 बजे तक रहेगा।
यह मुहूर्त सभी प्रकार के शुभ कार्यों के लिए अत्यंत श्रेष्ठ माना जाता है।
ऐसी मान्यता है कि गंगा दशहरा पर ब्रह्म मुहूर्त या अभिजीत मुहूर्त में पूजा करना सबसे शुभ होता है।

गंगा दशहरा का महत्व

हिंदू धर्म में गंगा दशहरा का विशेष महत्व है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इसी दिन मां गंगा स्वर्ग से उतरकर पृथ्वी पर अवतरित हुई थीं। मान्यता है कि राजा भगीरथ ने अपने पूर्वजों की मुक्ति के लिए कठोर तपस्या की और उसके परिणामस्वरूप माता गंगा पृथ्वी पर उतरकर आईं। मां गंगा के धरती पर अवतरित होने के बाद भगीरथ के पूर्वजों को मोक्ष प्राप्त हुआ। ऐसी मान्यता है कि आज भी गंगा दशहरा की पूजा विधि-विधान से करने पर व्यक्ति को मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस दिन गंगा स्नान, दान, जप और पूजा-पाठ करने का विशेष महत्व बताया गया है। मान्यता है कि गंगा दशहरा पर श्रद्धा से गंगा या किसी अन्य पवित्र नदी में स्नान करने और मां गंगा की पूजा करने से दस प्रकार के पापों का नाश होता है। इसी कारण इसे गंगा दशहरा कहा जाता है।

जंगल बचाने फिर हुआ मंथन, जैव विविधता दिवस पर मेंढर तालाब को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की घोषणा

मेंढर तालाब परिसर में आयोजित हुआ कार्यक्रम

कोण्डागांव. अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के अवसर पर कोण्डागांव वन मंडल द्वारा अमरावती वन परिक्षेत्र स्थित रियासत कालीन मेंढर तालाब परिसर में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जंगलों के बीच प्राकृतिक रूप से बने इस तालाब क्षेत्र को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की घोषणा भी वन विभाग द्वारा की गई। बताया गया कि बस्तर राजाओं के रियासत काल में यह क्षेत्र राजाओं और अंग्रेजों के शिकारगाह के रूप में जाना जाता था। अब वन विभाग इसे संरक्षित कर पर्यटन स्थल के रूप में संवारने की दिशा में कार्य करेगा।

कहां है मेंढर तालाबः मेंढर तालाब छत्तीसगढ़ के कोण्डागांव जिला मुख्यालय से लगभग 40 किलोमीटर दूर अमरावती वन परिक्षेत्र में स्थित रियासतकालीन प्राकृतिक जलाशय है। यह क्षेत्र शांत पिकनिक स्पॉट के रूप में प्रसिद्ध है तथा प्रवासी पक्षियों, विशेषकर साइबेरियन पक्षियों के आगमन के लिए जाना जाता है। नवंबर से फरवरी के बीच यहां बड़ी संख्या में प्रवासी पक्षी प्रजनन के लिए पहुंचते हैं। रियासत काल में यह क्षेत्र बस्तर राजाओं और अंग्रेजों के शिकारगाह एवं विश्राम स्थल के रूप में भी प्रसिद्ध रहा है।

मेंढर तालाब क्षेत्र में इको टूरिज्म को नियमित एवं नियंत्रित तरीके से संचालित किया जाएगा: डीएफओ

डीएफओ चूड़ामणि सिंह ने बताया कि कार्य म का मुख्य उद्देश्य लोगों को जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के प्रति जागरूक करना है। स्कूली बच्चों ने पेंटिंग और निबंध प्रतियोगिता के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के संदेश को उकेरा। वहीं ग्रामीणों ने भी पर्यटन स्थल को संरक्षित एवं सुरक्षित रखने में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने की बात कही। उन्होंने कहा कि भविष्य में मेंढर तालाब क्षेत्र में इको टूरिज्म को नियमित एवं नियंत्रित तरीके से संचालित किया जाएगा। इसके लिए नियम बनाए जाएंगे तथा क्षेत्र की क्षमता के अनुसार ही पर्यटन गतिविधियों को अनुमति दी जाएगी, ताकि प्राकृतिक संसाधनों पर अनावश्यक दबाव न पड़े।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्कूली छात्र-छात्राएं शामिल हुए। प्राकृतिक वातावरण के बीच आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में बच्चों ने हिस्सा लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विजेताओं को पुरस्कृत भी किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डीएफओ चूड़ामणि सिंह ने कहा कि इस वर्ष जैव विविधता दिवस की थीम वैश्विक प्रभाव के लिए स्थानीय स्तर पर कार्य करना है। उन्होंने कहा कि बस्तर में नक्सलवाद खत्म होने के बाद अब जंगल और वन्य प्राणियों के संरक्षण की जिम्मेदारी और बढ़ गई है। जंगल, जल, पर्यावरण और वन्य जीव एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं, इनके संरक्षण से ही मानव जीवन सुरक्षित रह सकता है। ग्राम पंचायत अनन्तपुर सरपंच एवं उपाध्यक्ष सरपंच संघ विक्रम मंडावी ने बताया कि विश्व जैव विविधता दिवस का जिला स्तरीय कार्यक्रम अन्य स्थानों पर भी आयोजित किया जा सकता था, लेकिन मेंढर तालाब की ऐतिहासिक एवं प्राकृतिक विशेषताओं को देखते हुए यहां आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि ग्रामवासियों द्वारा कलेक्टर और डीएफओ के समक्ष इस क्षेत्र को राष्ट्रीय स्तर के पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की मांग रखी गई थी, जिस पर अधिकारियों द्वारा एक वर्ष के भीतर सौंदर्यीकरण एवं विकास कार्य शुरू करने का आश्वासन दिया गया है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य मेंढर तालाब के सौंदर्यीकरण के साथ-साथ आसपास के जंगलों का संरक्षण भी है। ग्राम पंचायत अनन्तपुर द्वारा वर्ष 2016 के बाद नए अतिक्रमण पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाया गया है। यदि कोई जंगल क्षेत्र में अतिक्रमण करता है तो ग्राम सभा के माध्यम से कार्रवाई कर अतिक्रमण हटाया जाता है तथा क्षेत्र को पुनः संरक्षित किया जाता है।

प्रेशर कुकर आईईडी बरामद, सुरक्षा बलों ने मौके पर किया निष्क्रिय

बारसूर क्षेत्र के जंगल में मिला 5 किलो का विस्फोटक, सतर्कता से टली बड़ी जनहानि

चंद्रकांत सिंह क्षत्रिय -दंतेवाड़ा । जिले के बारसूर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम हिड़पाल के जंगलों में सुरक्षा बलों ने एक प्रेशर कुकर आईईडी बरामद कर उसे मौके पर ही निष्क्रिय कर दिया। सुरक्षा बलों की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई से संभावित बड़ी जनहानि टल गई।पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत जिला पुलिस एवं केंद्रीय सुरक्षा बलों द्वारा लगातार सर्चिंग और एरिया डॉमिनेशन अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में प्राप्त विशेष सूचना के आधार पर 195वीं वाहिनी सीआरपीएफ की यंग प्लाटून पार्टी एवं बीडीएसएस टीम को थाना बारसूर क्षेत्र के ग्राम हिड़पाल के पहाड़ी एवं घने जंगल इलाके में सर्च ऑपरेशन के लिए रवाना किया गया था। अभियान शुक्रवार सुबह करीब 5 बजे द्वितीय कमान अधिकारी विक्रांत वर्मा के मार्गदर्शन एवं सहायक कमांडेंट संजीव कुमार यादव के नेतृत्व में शुरू किया गया। इस दौरान सुरक्षा बल क्षेत्र में संभावित नक्सली गतिविधियों और छिपाकर रखे गए विस्फोटकों की तलाश कर रहे थे।करीब 8:20 बजे जवानों को जंगल में एक संदिग्ध वस्तु दिखाई दी। सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए इलाके को सुरक्षित किया गया और बीडीएसएस टीम को मौके पर बुलाया गया। जांच में संदिग्ध वस्तु प्रेशर कुकर आईईडी निकली, जिसका वजन लगभग 5 किलोग्राम बताया गया।पुलिस के अनुसार नक्सलियों द्वारा सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने और क्षेत्र में दहशत फैलाने के उद्देश्य से आईईडी को जंगल में छिपाकर रखा गया था। बीडीएसएस टीम ने तकनीकी प्रक्रिया अपनाते हुए विस्फोटक को सुरक्षित तरीके से मौके पर ही निष्क्रिय कर नष्ट कर दिया।

शिविर के अंतिम चरण में बंटे पट्टे और राशन कार्ड, शिक्षा मंत्री गजेन्द्र, संभागायुक्त, कलेक्टर, महापौर, कमिश्नर रहे उपस्थित

सुशासन तिहार का पुरानी गंज मंडी में समापन, चार जोन में 45 विभाग रहा मौजूद

दुर्ग। छत्तीसगढ़ शासन के सुशासन तिहार के अंतर्गत दुर्ग नगर निगम क्षेत्र में चलाए जा रहे जनसमस्या निवारण समाधान शिविरों का अंतिम चरण शनिवार को पुरानी गंज मंडी में सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। इस समापन शिविर में भारी संख्या में पहुंचे नागरिकों की समस्याओं का प्रशासनिक समन्वय के जरिए मौके पर ही त्वरित समाधान किया गया।

चार जोन में बंटा था शहर, 45 विभागों की रही मौजूदगी- दुर्ग नगर निगम क्षेत्र को इस सुशासन तिहार के तहत कुल चार जोन में विभाजित किया गया था। सुव्यवस्थित कार्यप्रणाली के लिए प्रत्येक शिविर में 15-15 वार्डों की समस्याएं सुनने का लक्ष्य रखा गया था। पुरानी गंज मंडी में आयोजित इस अंतिम चरण के शिविर में शासन के 45 अलग-अलग विभागों के आला अधिकारी टेबल लगाकर मौजूद रहे। अधिकारियों ने सीधे जनता से आवेदन स्वीकार किए और कई मामलों का मौके पर ही निपटारा किया।

स्वामित्व पत्र और राशन कार्डों का त्वरित वितरण-शिविर में केवल आवेदन ही नहीं लिए गए, बल्कि पात्र हितग्राहियों को तत्काल राहत भी पहुंचाई गई। शिविर के दौरान बड़ी संख्या में नागरिकों को लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस, नए राशन कार्ड और प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत तैयार स्वामित्व पत्रों (मालिकाना हक) का वितरण अतिथियों के हाथों किया गया।

वरिष्ठ अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने किया निरीक्षण- शिविर के गरिमामय उद्घाटन अवसर पर शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव,संभाग आयुक्त सत्य नारायण राठौर, जिला कलेक्टर अभिजीत सिंह, नगर निगम की महापौर अलका बाघमार और निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल विशेष रूप से उपस्थित रहे।

सभी अतिथियों ने विभागीय स्टालों का विस्तृत निरीक्षण किया। वरिष्ठ अधिकारियों ने कड़े निर्देश दिए कि जिन आवेदनों का तुरंत निराकरण नहीं हो सका है, उन्हें एक निश्चित समय-सीमा के भीतर अनिवार्य रूप से हल किया जाए।इस दौरान महापौर अलका बाघमार महापौर ने शिविर में अपना स्वास्थ्य परीक्षण भी करवाया।

क्षतिग्रस्त टेलिंग डेम की उच्च स्तरीय जांच की मांग, बस्तर अधिकार मुक्ति मोर्चा ने सौंपा ज्ञापन

बचेली नगरवासियों की सुरक्षा से समझौता नहीं, जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग

चंद्रकांत सिंह क्षत्रिय - दंतेवाड़ा । बस्तर अधिकार मुक्ति मोर्चा ने एनएमडीसी बचेली स्थित क्षतिग्रस्त टेलिंग डेम को लेकर संभावित औद्योगिक, पर्यावरणीय और मानव सुरक्षा संकट पर गंभीर चिंता जताई है। मोर्चा की दंतेवाड़ा जिला इकाई ने मुख्य संयोजक एवं जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) के बस्तर संभाग अध्यक्ष नवनीत चाँद के नेतृत्व में जिला कलेक्टर दंतेवाड़ा को ज्ञापन सौंपकर मामले में त्वरित हस्तक्षेप की मांग की।ज्ञापन में कहा गया है कि नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 7 और 8 सहित आसपास के घनी आबादी वाले इलाकों के समीप स्थित टेलिंग डेम की वर्तमान स्थिति नागरिकों के जीवन, स्वास्थ्य, पर्यावरण और संपत्ति के लिए संभावित खतरा बन चुकी है। मोर्चा ने आशंका जताई कि यदि समय रहते वैज्ञानिक और तकनीकी आधार पर प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो भविष्य में गंभीर औद्योगिक दुर्घटना, जल एवं भूमि प्रदूषण तथा जनहानि जैसी स्थिति उत्पन्न हो सकती है।नवनीत चाँद ने कहा कि यह मामला केवल प्रशासनिक लापरवाही तक सीमित नहीं है, बल्कि संविधान प्रदत्त जीवन एवं व्यक्तिगत सुरक्षा के अधिकार से जुड़ा गंभीर विषय है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण और आपदा प्रबंधन से संबंधित विभिन्न केंद्रीय कानूनों एवं सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करना संबंधित विभागों और परियोजना प्रबंधन की कानूनी जिम्मेदारी है।मोर्चा ने आरोप लगाया कि यदि टेलिंग डेम में रिसाव, दरार या संरचनात्मक कमजोरी की शिकायतों के बावजूद समय पर तकनीकी निरीक्षण और सुधारात्मक कार्य नहीं किए गए, तो यह गंभीर प्रशासनिक एवं प्रबंधकीय लापरवाही मानी जाएगी। संगठन ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों एवं संबंधित एजेंसियों पर विधिसम्मत कार्रवाई की मांग की है।

मोर्चा की प्रमुख मांगें-मोर्चा ने ज्ञापन के माध्यम से कई महत्वपूर्ण मांगें रखीं। इनमें राष्ट्रीय स्तर की स्वतंत्र तकनीकी एजेंसी से टेलिंग डेम की उच्च स्तरीय संरचनात्मक एवं सुरक्षा जांच, वैज्ञानिक जोखिम मूल्यांकन रिपोर्ट को सार्वजनिक करना तथा घनी आबादी वाले क्षेत्रों के निकट स्थित डेम को चरणबद्ध तरीके से सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित करने की दीर्घकालीन योजना शामिल है। इसके अलावा प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सर्वेक्षण, जल एवं मिट्टी परीक्षण, पर्यावरणीय प्रभाव अध्ययन कराने, संभावित दुर्घटना की स्थिति में आपदा प्रबंधन एवं इमरजेंसी रिस्पॉन्स प्लान लागू करने, मॉक ड्रिल एवं जनजागरूकता अभियान चलाने तथा सुरक्षा दीवार, अलार्म सिस्टम और प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली स्थापित करने की मांग भी की गई है।

सरायपाली में HPV टीकाकरण का धूम पीएचसी बलोदा से शतक हुआ पूरा

सरायपाली। जिले में कैंसर से बचाव हेतु HPV टीकाकरण अभियान में स्थानीय जनता एवं बालिकाओं की रुचि ने इस टीकाकरण कार्य को एक नई रफ्तार दे दिया है कलेक्टर विनय कुमार लंगेह,जिला मुख्य कार्यपालन अधिकारी हेमंत रमेश नंदनवार के निर्देशन व मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ आई नागेश्वर राव के मार्गदर्शन में महासमुंद जिले में पात्र बालिकाओं को HPV का वैक्सीन लगाया जा रहा है।इसी क्रम में पीएचसी बलोदा में आयोजित टीकाकरण सत्र में 14 वर्ष पूर्ण कर चुकी 56 बालिकाओं को HPV वैक्सीन लगाकर प्रमाण पत्र दिया गया है इस तरह से विकासखंड सरायपाली आज दिनांक तक 113 बालिकाओं को HPV का टीका लगाया जा चुका हूं यह टीका भविष्य में होने वाले सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु पूर्ण रूप से सुरक्षित है। इस टीकाकरण शिविर में स्वास्थ्य विभाग के सुपरवाइजर डोलमणी भोई ने अपने सुपुत्री जेसिनी भोई को HPV वैक्सीन लगवाया तथा जनपद सदस्य बलोदा पद्मिनी प्रदीप भोई के द्वारा किया गए प्रयासों से क्षेत्र की अन्य बालिकाओं ने भी उत्साहपूर्वक टीकाकरण कराया उनके द्वारा आम नागरिकों को संदेश दिया गया है कि बालिकाओं को किसी भी तरह अफवाहों पर ध्यान नहीं देना है यह टीका पूर्णतः सुरक्षित है।

मां दंतेश्वरी अन्नपूर्णा भोग भंडारा का संचालन सर्व आदिवासी समाज ही करेगा: राजाराम तोड़ेम

संगठन विस्तार, रोजगार, शिक्षा और सामाजिक मुद्दों पर हुई विस्तृत चर्चा, कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

चंद्रकांत सिंह -दंतेवाड़ा । मां दंतेश्वरी मंदिर परिसर में संचालित अन्नपूर्णा भोग भंडारा के संचालन को लेकर छत्तीसगढ़ सर्व आदिवासी समाज ने अपना पक्ष स्पष्ट करते हुए कहा है कि भोग भंडारा का संचालन समाज द्वारा ही पूर्ववत किया जाएगा।

यह बात छत्तीसगढ़ सर्व आदिवासी समाज के प्रदेश कार्यकारीअध्यक्ष राजाराम तोड़ेम ने समाज की बैठक के दौरान कही। मां दंतेश्वरी मंदिर परिसर में पिछले 10 माह से लगातार 365 दिनों तक छत्तीसगढ़ सर्व आदिवासी समाज जिला इकाई दंतेवाड़ा द्वारा अन्नपूर्णा भोग भंडारा संचालित किया जा रहा है। इस भंडारे में देश के विभिन्न राज्यों से आने वाले श्रद्धालु एवं आमजन भोजन ग्रहण कर रहे हैं। समाज के पदाधिकारियों ने इसे सामाजिक समरसता, सेवा भावना और धार्मिक आस्था का प्रतीक बताया। विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर हुई चर्चा-20 मई 2026 को आयोजित बैठक में समाज के प्रदेश एवं जिला पदाधिकारियों सहित दंतेवाड़ा, गीदम, कुआकोंडा और कटेकल्याण क्षेत्र के समाज प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक में संगठन विस्तार, युवाओं के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार सृजन, पलायन, शिक्षा, स्वास्थ्य तथा स्थानीय भर्ती जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष कौशल नांगवशी, जिला अध्यक्ष दशरथ कश्यप सहित समाज के अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।कलेक्टर को सौंपा ज्ञापनसमाज के प्रतिनिधिमंडल ने जिला कलेक्टर देवेश ध्रुव से मुलाकात कर सर्वसम्मति से लिए गए निर्णय की जानकारी दी। प्रतिनिधिमंडल ने प्रशासन को अवगत कराया कि मां दंतेश्वरी अन्नपूर्णा भोग भंडारा का संचालन छत्तीसगढ़ सर्व आदिवासी समाज द्वारा ही किया जाएगा।

विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत नारायणपुर के ग्रामीण अंचलों में कृषि वैज्ञानिकों और विभागीय अधिकारियों ने दी आधुनिक व प्राकृतिक खेती की जानकारी

नारायणपुर। कृषि विज्ञान केंद्र, नारायणपुर एवं कृषि विभाग के संयुक्त तत्वावधान में जिले के विभिन्न विकासखंडों और दूरस्थ ग्रामीण अंचलों में 5 मई से 20 मई 2026 तक 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' का व्यापक आयोजन किया गया। इस अभियान के अंतर्गत जिले के बावड़ी, करलाखा, कोडोली, कोखमेड़ा, बेनूर, इराकभट्टी, देवगांव, रेमावंड, कंदाड़ी, कुदला, महिमागवाड़ी, झारावाही, घनोरा, नेदनार, बरेहबेड़ा, नेलांगुर, पदमकोट, कुरुसनार, बासिंग, कच्चापाल, अकाबेड़ा, बोरान्द, बोरपाल, पालकी, कस्तूरमेटा और गढ़बेंगाल सहित कुल 48 गांवों में विशेष शिविर एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया गया। इस अभियान के दौरान आगामी खरीफसीजन की तैयारियों को लेकर कृषक-वैज्ञानिक चर्चा आयोजित की गई, जिसमें कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों ने किसानों को तकनीकी मार्गदर्शन दिया। केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. हरेंद्र तोन्डेय ने मिट्टी की उर्वरा शक्ति को बनाए रखने के लिए रासायनिक उर्वरकों के संतुलित उपयोग की सलाह दी और जैविक व प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया। पौधों को कीटों और रोगों से सुरक्षित रखने के लिए कीट वैज्ञानिक डॉ. आलिया अफरोज ने स्थानीय स्तर पर तैयार होने वाले प्राकृतिक कीटनाशकों जैसे नीमास्त्र, ब्रह्मास्त्र और आग्नेयास्त्र की निर्माण विधि और उपयोग के बारे में बताया, जिससे किसान बिना महंगे रसायनों के प्रभावी तरीके से कीट नियंत्रण कर सकें। वहीं, उद्यानिकी वैज्ञानिक डॉ. ललित कुमार वर्मा ने किसानों को फल, सब्जी और औषधीय फसलों की वैज्ञानिक खेती, उन्नत किस्मों के चयन और मूल्य संवर्धन के जरिए आय बढ़ाने के गुर सिखाए। वैज्ञानिकों के साथ-साथ इस अभियान में विभिन्न शासकीय विभागों के अधिकारियों ने भी उपस्थित होकर शासन की महत्वाकांक्षी कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। कृषि विभाग द्वारा डिजिटल एग्रीकल्चर के तहत एग्रीस्टैक, पीएम किसान सम्मान निधि योजना और मृदा स्वास्थ्य कार्ड के क्रियान्वयन पर प्रकाश डाला गया, साथ ही किसानों को मिट्टी की जांच रिपोर्ट के आधार पर ही अनुशंसित मात्रा में खाद उपयोग करने हेतु प्रेरित किया गया। पशु चिकित्सा विभाग के अधिकारियों ने पशुधन को सुरक्षित रखने के लिए नियमित टीकाकरण , प्रमुख बीमारियों के लक्षण और उनके उचित उपचार के संबंध में पशुपालकों को जागरूक किया। इसके साथ ही, मत्स्य पालन विभाग द्वारा मछली पालन से जुड़ी विभिन्न शासकीय अनुदान योजनाओं, आधुनिक मत्स्य पालन तकनीकों और तालाब प्रबंधन के बारे में जानकारी दी गई,

आर्य नगर सामूहिक आत्महत्या कांड, पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचीं महापौर, अधिकारियों को दिए तत्काल सहायता के निर्देश

दुर्ग। शहर के आर्य नगर में हुई हृदयविदारक सामूहिक आत्महत्या की घटना के बाद नगर पालिक निगम की महापौर अलका बाघमार शनिवार को मिलने पीड़ित परिवार के घर पहुंचकर शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया।

पूरे समाज को झकझोर देने वाली घटना-महापौर अलका बाघमार ने इस त्रासदी पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा कि एक ही परिवार के सदस्यों द्वारा ऐसा आत्मघाती कदम उठाना अत्यंत पीड़ादायक है। इस घटना ने पूरे शहर और समाज को झकझोर कर रख दिया है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति और परिजनों को इस असहनीय दुख को सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

प्रशासनिक सहायता के दिए निर्देश-निरीक्षण और मुलाकात के दौरान महापौर के साथ नगर निगम के एमआईसी (मेयर-इन-काउंसिल) सदस्य भी मौजूद रहे। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए महापौर ने मौके पर ही मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवार को इस संकट की घड़ी में शासन और प्रशासन की ओर से मिलने वाली सभी आवश्यक सहायता व सरकारी लाभ तत्काल और बिना किसी देरी के उपलब्ध कराए जाएं।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com